RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

कोई लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं, हारा वही जो लड़ा नहीं।

स्वामी विवेकानंद

वर्ष-04, अंक - 06 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 11 नवम्बर 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

महाराज की उपस्थिति में अपनी ही पार्टी पर भड़के भाजपा नेता, ब्राह्मण-बनिया का मुद्दा गहराया

भोपाल। भाजपा के प्रभारी मुरलीधर राव के ब्राह्मणों को जेब में रखने वाले बयान के बाद सियासत गरमाती जा रही है, बयान को लेकर अभी तक कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा हुआ था, अब ब्राह्मण-बनियों वाले बयान पर खुद बीजेपी नेता अपनी ही पार्टी पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मौजूदगी में भड़क पड़े।

मध्यप्रदेश की राजनीति में इन दिनों ब्राह्मण-बनियों को लेकर बीजेपी प्रभारी मुरलीधर राव के बयान ने किरकिरी की हुई है, विपक्षी दल कांग्रेस तो इसे भुना ही रही थी अब भाजपा में उपेक्षित चल रहे नेताओं ने भी इस पर पार्टी को घेरना शुरू कर दिया है। भाजपा में लंबे समय से खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे अनूप मिश्रा ने भी मामले में एंट्री कर ली है, उनका बयान सियासी गलियारे में हंगामा कर सकता है।

मामला अग्निकांड का: अधिकारी के साथ डॉक्टरों पर भी हुई कार्रवाई

भोपाल। कमला नेहरू अस्पताल में सोमवार को लगी आग के बाद भी जिम्मेदारों की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। रोते-भिलकते कोई बच्चे को ढूंढ रहा है तो किसी परिजन को किसी और बच्चे का शव थमा दिया जा रहा है। मौत के आंकड़ों को लेकर भी सरकार-अस्पताल प्रबंधन और परिजन प्रथक-प्रथक आरोप लगा रहे हैं। फ्लिहाल सरकार ने तीन डॉक्टरों और एक अधिकारी पर कार्रवाई की है, उन्हें निलंबित कर दिया गया है। सोमवार को कमला नेहरू अस्पताल में आग लगी, बच्चों के शव बाहर आने का सिलसिला बुधवार को भी जारी रहा। वही शासन के नुमाइंदे फिर भी कह रहे है कि, आग लगने से चार बच्चों की ही मौत हुई. लेकिन अस्पताल के अनुसार 12 बच्चों की मौत हुई और कांग्रेस 14 बच्चों की मौत बता रही है। परिजन कई बच्चों की मौत होने की बात कह रहे हैं।

अंचल की पिथौरा कला को मिली अंतराष्ट्रीय पहचान

भूरी बाई को मिला पद्मश्री अवार्ड

माही की गूंज, झाबुआ।

जनजातीय क्षेत्र झाबुआ की स्थानीय कला को अब अंतराष्ट्रीय पहचान मिल गई है। इस कला के लिए झाबुआ जिले की पिटोल की रहने वाली भूरी बाई को राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवार्ड मिला है। जो क्षेत्र के लिए गौरवमई क्षण है और इस उपलब्धि पर भूरी बाई को अनेक बधाईयां मिल रही है।

कौन है भूरी बाई

जनजातीय समाज से आने वाली भूरी बाई मूलतः झाबुआ जिले के पिटोल गांव की रहने वाली है, अभावों में बचपन बिताने वाली भूरी बाई को बचपन से ही चित्रकारी का शौक था। उन्होंने कैनवास का इस्तेमाल कर आदिवासियों के जीवन से जुड़ी चित्रकारी को करने की शुरुआत की और देखते ही देखते उनकी पहचान पूरे देश में हो गई। भूरी बाई की बनाई गई पेंटिंग ने न केवल देश बल्कि विदेशों में भी पहचान बनाई। उनकी पेंटिंग अमेरिका में सभी वर्कशॉप में भी लगाई गई, जहां उनकी पेंटिंग खूब पसंद की गई। भारत में कई जगह उनकी बनाई गई पेंटिंग्स का प्रदर्शन हो चुका है।

क्या है पिथौरा कला

यह एक चित्रकारी है जो जनजातीय क्षेत्रों में मांगलिक कार्यों में वर्षों से बनाई जाती रही है, इसमें जीवन के विभिन्न पहलुओं को उकेरा जाता है और आज भी घरों की दीवारों पर मांगलिक कार्यों में इसे बनाया जाता है।

पद्मश्री मिलने के बाद भूरी बाई ने कहा कि, पुरस्कार मिलना गर्व की बात है, मैंने शुरुआत मिट्टी से पेंटिंग बनाने के साथ की थी, मैं भोपाल के भारत भवन में मजदूरी करती थी और उसके साथ पेंटिंग भी बनाती थी। मेरी पेंटिंग आज विदेशों में भी जाती है, मैं बहुत खुश हूं। भोपाल में मजदूरी के दौरान संस्कृति विभाग की तरफसे उन्हें पेंटिंग बनाने का कार्य दिया गया। जिसके बाद वे भोपाल के भारत भवन में पेंटिंग करने लगी। उन्हें 1986-87 में मध्यप्रदेश सरकार के सर्वोच्च पुरस्कार शिखर सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा 1998 में मध्यप्रदेश सरकार ने उन्हें अहिल्या सम्मान से भी सम्मानित किया था।

झाबुआ जिले की पत्रकारिता जगत के प्रमुख अखबार माही की गूंज की ओर से भी भूरी बाई को पद्मश्री मिलने के लिए बधाई...

जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनेगी बिरसा मुंडा जयंती

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाई जाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को इसको मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीडिया को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 'आदिवासी लोगों की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिए 15 से 22 नवंबर तक सप्ताह भर चलने वाले समारोहों की योजना बनाई गई।

मुंडा जनजाति से ताल्लुक रखने वाले बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर 1875 को हुआ था। 19वीं शताब्दी के अंत में ब्रिटिश शासन के दौरान उन्होंने 19वीं शताबदी में आदिवासी बेल्ट में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया। उनकी जयंती देश में बिरसा मुंडा जयंती के रूप में मनाई जाती है। इसी दिन झारखंड स्थापना दिवस भी है। झारखंड साल 2000 में बिहार से अलग हुआ था।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत 24 अक्टूबर को मन की बात कार्यक्रम में देश के प्रति बिरसा मुंडा के योगदान को याद किया था। उन्होंने कहा कि 'भगवान बिरसा मुंडा' ने प्रकृति, जंगलों और जमीन की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी। मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, 'भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती 15 नवंबर को पड़ती है। उनको 'धरती आबा' के नाम से भी जाना जाता है। क्या आप जानते हैं कि इसका क्या अर्थ है? इसका अर्थ है पृथ्वी के पिता।'

बाईक चोर सक्रिय, पुलिस से बेखौफ चोरों की करतुत सी.सी टीवी मे कैद

माही की गूंज, पारा। गजेन्द्र चौहान

पुलिस को चुनोती देकर बाईक चोर पुलिस गस्ती के दौरान बेखौफ होकर बाईक चोरी को अंजाम दे रहे है बावजुद पुलिस चोरो तक पहुचने मे असफल ही साबित हो रही है। ग्राम में बाईक चोरी की एक घटना सी.सी टीवी मे केद हुई विडियो बता रहा हे कि, किस तरह से चोर बेखौफ है और बाईक चोरी को अंजाम देकर पुलिस को सरेआम चुनोती दे रहे है। ग्राम मे पिछले तीन-चार महीनों से चोरी की वारदातें बढ़ रही है, हाल ही में आई नवागत चौकी प्रभारी के सामने चुनोती भरा सफर है। अब देखना यह है कि, नवागत प्रभारी इन बदमाशों की धरपकड़ करने के लिए कितना खरा उतरती है। घटना 8 नवंबर को बस स्टैंड से लगा राठौड़ मोहल्ला मेन गली में निवास कर रहे नरेश पिता कन्हैयालाल सोनी अपनी बाईक एमपी 45 एमजे 7640 हमेशा की तरह घर के आंगन में खडीकर साकल से बांधकर ताला लगा देते हैं। नरेश ने सुबह उठकर देखा तो साकल कटी पड़ी है व बाईक गायब देखकर दंग रह गए। सोनी जी ने चोरी की घटना की जानकारी प्रातः पुलिस चौकी पर दी। चौकी प्रभारी चौहान सी.सी टीवी कैमरा फुटेज देखकर घटना स्थल पहुंची। मौका मुआयना कर मामले को विवेचना में लिया गया है। बदमाश भी अपनी बाईक जिस पर चार बदमाश सवार थे नकाबपोश बदमाश बेखौफ होकरे गली में आए पहले उन्होनें रेंकी की, बाद में बाईक से उतर कर नरेश सोनी के समीप रहे संदीप सोनी की लाल स्कूटी ले जाने का प्रयास किया, परंतु नहीं ले जा पाए। उन्हीं के समीप ओम प्रकाश सोनी भाभरा वाले की बाईक होंडा स्प्लेंडर भी ले जाने का प्रयास किया पर यहा भी चोर सफल नही हो पाए। जिसके बाद बदमाश नरेश सोनी की बाइक कि साकल काटकर बदमाश बाईक को थोड़ी दूर धक्का लगा कर ले गए, वहां से बाईक लेकर फरार हो गए। चोरी गई बाईक दूसरे दिन मंगलवार को दोपहर मे बोरी रोड के किसी खंडहर में पड़ी मिली। बदमाश बाइक में पेट्रोल न होने के कारण फेक गए का अनुमान लगाया जा रहा है। अब देखना यह हे कि पुलिस के पास सी.सी टीवी फुटेज आने के बाद भी चोरो तक पहुच पाती है या फिर पुलिस की उदासीनता के चलते चोरी को बढावा देती है।

– पुलिस से बेखौफबाईक चोरो की करतुत देखे क्युआर कोड स्कैन कर।

नामान्तरण के लिए रिश्वत लेती महिला पटवारी को लोकायुक्त ने धरा

राजस्व में लगते है हर काम के पैसे, मुख्यमंत्री के दावे की खुली पोल

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद राजस्व विभाग में हर काम की किसानों को मोटी फीस चुकानी पड़ती है, यहां नामांतरण, बंटवारा, पावती बनाने ,सीमांकन, नक्शा आदि के लिए भारी वसुली की जाती है, लेकिन गरीब आदिवासी ग्रामीण किसान उसे नियम में लगने वाली राशि समझ कर दे देते हैं और जो किसान राशि नही देता उनको कागजी कार्रवाई में ऐसा उलझा देते हैं कि, मजबूरन उसे पैसे देने पड़ते हैं। बुधवार को एक ऐसे ही मामले में लोकायुक्त इंदौर की टीम ने झावलिया हल्के की महिला पटवारी को चार हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ धर लिया। मिली जानकारी अनुसार जामसिंह पिता कसना निवासी पाडल द्वारा ग्राम मोहनकोट में जमीन खरीदी थी जिसके नामान्तरण के लिए जामसिंह ने लोकसेवा कार्यालय पर आवेदन दिया था, जिसके लिए हल्का पटवारी रेखा मैडा ने 6 हजार की मांग की थी। जामसिंह ने दो हजार का भुगतान कर दिया था और आज बकाया 4 हजार रूपये का भुगतान करते समय लोकायुक्त ने पटवारी को रंगे हाथों धर लिया। लोकायुक्त द्वारा पटवारी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधित) 2018 की धारा 7 के अंतर्गत कार्यवाही की है। कार्यवाही के दौरान डीएसपी प्रवीण बघेल, निरीक्षक प्रतिभा तोमर, निरीक्षण सुनील उइके, आरक्षक विजय कुमार, पवन पाटोदिया, चंद्रमोहन बीस्ट मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के दावे खोखले, किसानों को देने पड़ रहे हैं पैसे, शिकायत पर भी नही होती कार्रवाई

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पिछली जन सभाओं में किसान हितेषी सरकार होने के दावा करते हुए किसानों के कार्य बिना देरी से करना है और रिश्वत लेने वाले पटवारियों पर कार्रवाई करने के दावे किए जो खोखले साबित हो रहे हैं। आए दिन इस प्रकार के मामले समाने आ रहे है और शिकायते हो रही है, लेकिन शिकायतो पर कोई कार्रवाई नही होती है।

आदिवासियों को साधने की सियासी कवायद हुई तेज

माही की गूंज, डेस्क न्यूज।

दिल्ली/भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 नवंबर को मध्यप्रदेश के भोपाल दौरे पर रहेंगे, इस दौरान पीएम मोदी भोपाल के वर्ल्ड क्लास हबीबगंज स्टेशन का लोकार्पण भी करेंगे, साथ ही सबसे महत्वपूर्ण जंबूरी मैदान में जनजातीय महासम्मेलन में शामिल भी होंगे। इसे बीजेपी की 2023 की चुनावी तैयारी की नजर से भी देखा जा रहा है। इसमें प्रदेशभर से तकरीबन 2 लाख आदिवासियों को लाने की तैयारी की जा रही है।

आदिवासियों को लेकर सियासत तेज

इसके बाद से मध्यप्रदेश में आदिवासियों को लेकर सियासत तेज होती दिख रही है, अब कांग्रेस ने मोदी के सामने कमलनाथ को उतारने का प्लान बनाया है, पीएम मोदी के भोपाल दौरे के दिन कमलनाथ जबलपुर में आदिवसी सम्मेलन करेंगें, इसपर बीजेपी की तरफसे भी रिएक्शन आ गया है।

पीएम के दौरे से कांग्रेस के फूले हांथ-पांव

बीजेपी ने तंज कसते हुए कहा कि, पीएम के दौरे से कांग्रेस के हांथ पांव फूल रहे हैं. 60-70 सालों तक आदिवासियों के लिए कांग्रेस ने कुछ नही किया, कांग्रेस की चालबाजी समझ चुकी है जनता। कांग्रेस के हाथों से आदिवासियों का वोट बैंक खिसक रहा है। लोकिन जबलपुर में कांग्रेस को कुछ हांथ नहीं लगने वाला है, वहीं कांग्रेस ने भी बीजेपी को जवाब देते हुए कहा कि, आदिवासियों के हित में जैसे कानून कांग्रेस लेकर आई थी, बीजेपी कांग्रेस को कॉपी कर रही है।

कांग्रेस ने दी पीएम को भोपाल दौरा रद्द करने की सलाह

कांग्रेस के दिग्गज नेता और विधायक पीसी शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोपाल दौरे को रद्द करने की सलाह दी है, उन्होंने भोपाल के कमला नेहरू के बच्चा वार्ड आग मामले को लेकर ये कहा. इस घटना में 4 बच्चों की मौत हो गई है. ऐसे में पीसी शर्मा का कहना है कि राजधानी भोपाल के कमला नेहरू अस्पताल में कल रात आग लगने से लगभग 10 बच्चे काल कवलित हो गये, जिससे राजधानी भोपाल ही नहीं संपूर्ण मध्यप्रदेश और देश दुखी है ,पीड़ा में है. 15 नवंबर तक तो बच्चों के परिजनों का, उन माँओं का दुख भी समाप्त नहीं होगा, ऐंसी परिस्थितियों में मप्र सरकार और प्रधानमंत्री जी कैंसे कोई जश्न मना सकते हैं. क्या बच्चों की मौत पर जश्न मनाया जा सकता है.

पीसी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी को सारे कार्यक्रम रद्द कर बच्चों के परिजनों की मदद करनी चाहिए व कार्यक्रम में लगने वाले धन का उपयोग अस्पतालों की हालत सही करने में करना चाहिए, जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. कांग्रेस की इस सलाह पर बीजेपी ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

फिर चर्चाओं में साध्वी प्रज्ञा का बयान, अजान को लेकर कही बड़ी बात

भोपाल। सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर का अजान को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने सुबह होने वाली अजान पर आपत्ति जताई है। सांसद ने कहा कि, सुबह की आवाजों से ना सिर्फबीमार परेशान होते हैं बल्कि साधना भी भंग होती है।

प्रसिद्द सिंगर सोनू निगम ने कुछ वर्ष पूर्व अजान को लेकर आपत्ति जताई थी, उन्होंने कहा था कि, लाऊड स्पीकर की आवाज से सुबह-सुबह बहुत परेशानी होती है। इसपर बहुत विवाद भी हुआ था। अब भोपाल की भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने भी इसी तरह का बयान दिया है।

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, सुबह पांच बजकर कुछ मिनट से बहुत जोर-जोर से आवाजें आती हैं वो आवाजें लगातार आती हैं, सबकी नींद हराम होती हैं, नींद ख़राब होती है। कुछ बीमार होते हैं उनको भी तकलीफहोती है। उन्होंने कहा कि, साधु सन्यासियों की साधना का भी यही समय होता है और उनको साधना में परेशानी होती है।

31 उपवास की कठिन उपासना करने वाली तपस्वी नेहा भंडारी का हुआ बहुमान

माही की गूंज, पेटलावद।

तपस्या से आत्मा का शोधन होता है, यह त्रैकालिक सत्य है। इसी मान्यता से जैन धर्म मे तपस्याएं होती है, तप चैतन्य जागरण का मार्ग है। मनोबली, आत्मबली तथा संकल्पशक्ति का धनी व्यक्ति तपस्या कर सकता है। इस युग मे भगवान महावीर से बड़ा कोई तपस्वी नही है तथा वर्तमान युग में आचार्यश्री महाश्रमणजी महातपस्वी है। उक्त आशय के उदगार श्री जैन श्वेतम्बर तेरापन्थ धर्मसंघ के 11 वे अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान सुशिष्य मुनि श्री वर्धमानकुमारजी ने नेहा मयंक भंडारी के 31 उपवास (मासखमण) तप सम्पन्नता पर तेरापंथी सभा द्वारा आयोजित तप अभिनन्दन समारोह के दौरान मुनि श्री ने तेरापन्थ भवन में व्यक्त किए।

मुनि श्री ने कहा कि, तपस्या आत्मशक्ति का अद्भुत परिणाम है। तपस्विनी बहिन ने तपस्या के दौरान प्रायः रोज प्रवचन सुनना, प्रतिदिन प्रतिक्रमण, सामायिक की आराधना की, जिससे यह तपस्या सुपर क्वालिटी की गिनती में आती है तपस्या में परिवार वालो ने भी सहयोग दिया हैं। इससे पूर्व मुनि श्री ने दैनिक प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत उत्तराध्ययन आगम के 33 वे अध्ययन के वाचन के दौरान कहा कि, आज हम जिस स्थिति में है वह पूर्व कर्मो के अनुसार है।

आचार्यश्री महाप्रज्ञजी के शब्दों में हमे अज्ञानता से मुक्ति की अपेक्षा है तथा निषेधात्मक विचारों से मुक्ति की अपेक्षा है। निषेधात्मक विचारो से मनोबल कम होता है। हमे प्राप्त मनुष्य जन्म सफल करने का प्रयास करना चाहिए।

तपस्वी बहन ने अपने भाव किए व्यक्त

कार्यक्रम में मासखमण तपस्वी नेहा मयंक भंडारी ने कहा कि, मुनिश्री गुरुकुलवास से गुरु निर्देशानुसार यहा चतुर्मास हेतु पधारे है। मेरी यह तपस्या मुनि श्री को आध्यात्मिक भेट स्वरूप है। पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी की अनन्त कृपा, मुनि श्री की प्रेरणा, परिवारजनों के सहयोग व समाज जनो के सहयोग से तपस्या की है।

तपस्वी अभिनन्दन

तेरापंथी सभा की ओर से साहित्य व मोमेंटो भेंटकर तपस्वी का अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में मंगलाचरण भंडारी परिवार की महिलाओं व बेटियों ने किया। इस अवसर पर नगर परिषद भूतपूर्व अध्यक्ष संगीता भंडारी, तेरापंथी सभा मंत्री लोकेश भंडारी ने तप अनुमोदना में अपने भाव व्यक्त किए। असाधारण साध्वीप्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के सन्देश का वाचन तेरापंथी सभा उपाध्यक्ष पवन भंडारी ने किया, संचालन फूलचंद कांसवा व आभार ज्ञापन तेरापंथी सभा अध्यक्ष विनोद भंडारी ने किया। मासखमण तप अनुमोदना में दो व्यक्तियों ने तेले के तप के संकल्प ग्रहण किए।

मुख्य अतिथि का सम्मान

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री निर्मला भूरिया को मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया गया, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा का महत्त्वपूर्ण उपक्रम है ज्ञानशाला। वर्ष 2023 के प्रायोजक के रूप में हरकचंद केसरीमल भंडारी परिवार ने अपनी सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। गौरतलब है कि, श्री भंडारी वर्ष 2020 व 2021 वर्ष के प्रायोजक भी रहे है।

कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर तारखेड़ी पंचायत सचिव निलंबित

बिना कार्य किए निकाल ली थी राशि, ग्राम पंचायत में भी नही हो रहा था उपस्थित

माही की गूंज, झाबुआ।

सिद्धार्थ जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ के आदेश क्रमांक/स्था/प.प्र.को./2021/5421 झाबुआ/दि//10/2021 हेमंत गरवाल पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत तारखेड़ी जनपद पंचायत पेटलावद को अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरतने, लम्बे समय से अपने कर्तव्य पर बिना किसी सूचना अथवा अनुमति के अनुपस्थित रहने, ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में रूचि नहीं लेने, वरिष्ठ कार्यालय मे निर्देश की अवहेलना करना, कोविड-19 के तहत टीकाकरण कार्य में सहयोग नहीं देने जैसे कृत्य सम्पादित करने के फलस्वरूप कार्यालयीन पत्र क्रमांक/स्था/ पं.प्रको./4484/झाबुआ/ दिनांक/21/09/2021 के माध्यम से कारण बताओं सूचना पत्र जारी कर सूचना पत्र प्राप्ति के सात दिवस की अवधि में समक्ष में उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया है। सचिव हेमंत गरवाल को जारी किया गया कारण बताओं सूचना पत्र उनके द्वारा दिनांक 28/09/2021 को प्राप्त किया जाकर अपना प्रति उत्तर तक प्रस्तुत नहीं किया गया। हेमंत गरवाल द्वारा वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशों की अवहेलना की गई है तथा इसके अतिरिक्त सचिव गरवाल द्वारा अपनी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहने और ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओ/कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन करने में कोई रूचि एवं गंभीर प्रयास नहीं किए जाने कोविड-19 के तहत टीकाकरण कार्य में वांछित सहयोग नहीं देने आदि के कृत्य/कृत्यों सम्पादित किए गए है। इसलिए हेमंत गरवाल, पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत तारखेडी जनपद पंचायत पेटलावद को म.प्र. पंचायत सेवा ग्राम पंचायत सचिव भर्ती और सेवा शर्ते नियम-2011 को कण्डिका 7 के प्रावधान के तहत तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया जाकर विभागीय जांच संस्थित की जाती है। निलम्बन अवधि में हेमंत गरवाल का मुख्यालय कार्यालय जनपद पंचायत पेटलावद रहेगा तथा इन्हे नियमानुसार निलम्बन भत्तें की पात्रता अर्जित रहेगी।

सहस्त्रबाहु अर्जुन की जन्म जयंती समारोह हर्षोउल्लास के साथ मनाई

माही की गूंज, कुशलगढ (राज.)

पाटी हनुमान मंदिर परिसर में कलाल समाज के आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जन्म जयंती समारोह हर्षोउल्लास के साथ मनाई गई। समाज के मीडिया प्रभारी नितिन झाकरोद ने बताया कि, मेवाड़ा कलाल समाज समिति के तत्वावधान मे आयोजित कुशलगढ़ परिक्षेत्र के अध्यक्ष लक्ष्मणलाल भटेवरा की अध्यक्षता ओर मुख्य अतिथि न्याय समिति की अध्यक्ष श्रीमति लीला पडियार ने कलाल समाज के आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन की जयंती समारोह मनाई गई।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश सोलंकी, जयबाला पडियार, सुरेशचंद्र पडियार, कन्हैयालाल पडियार, कन्हैयालाल बसेर, आनंदीलाल बसेर, पुर्व अध्यक्ष प्रितेश पडियार, युवा मंडल अध्यक्ष कौतुल पडियार, सचिव नितिन सोलंकी, राहुल भटेवरा, मोहित पटेल, मनोज पडियार, कीर्तीश पडियार, नरेश गेहलोत, मयूर भाई आदि समाजजन मौजुद रहे।

अपने आराध्य देव की पुजा अर्चना की एवं महा आरती के पश्चात समाज की जमीन की वरिष्ठजनों के द्वारा भूमि पूजन किया गया।

इस अवसर पर समाज की युवा टीम के द्वारा रक्तदान शिविर को सफल बनाने पर युवा टीम के सदस्य प्रशांत, संस्कार सोलंकी, हार्दिक बसेर, हिमांशु बसेर, जयेश पडियार आदि का स्वागत किया गया।

समारोह मे अध्यक्ष लक्ष्मणलाल भटेवरा ने समाज मे एकता-अखंडता बनाए रखते हुए समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि, समाज आगामी दिनो मे समाज की जमीन पर परिचय सम्मेलन एवं स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित करेगा।

कार्यक्रम में समाज न्याय समिति की अध्यक्ष श्रीमति लीला पडियार का समाज द्वारा बहुमान किया गया। कार्यक्रम का संचालन आनंदीलाल बसेर ने किया, आभार नितिन सोलंकी द्वारा किया गया।

महिला चोर गैंग सक्रिय

माही की गूंज, पारा।

नगर में आए दिन चोरी की घटनाए दिन पर दिन बढ़ती जा रही है महिलाएं गेंग भी चोरियो को शातिर तरीको से दे रही चोरियो को अंजाम दे रही है। शातिर महिलाएं दुकानों को टारगेट कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रही है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार अज्ञात महिलाए गुरुवार हाट बाजार के दिनं दुकानों पर हाथ साफकर रफूचक्कर हो जाती है।

व्यापारी को बरगला कर माल पर हाथ साफकरती है

आठ-दस शातिर महिलाएं अपना झुंड बनाकर दुकानो पर सामान खरीदी के नाम पर जाती है और व्यापारियों को बातो मे व एक के बाद एक सामान मगा-मगा कर देख-परखने के नाम पर उलझा कर सामान की चोरी को अंजाम दे देते हे और व्यापारी को पता तक नही चलने देती। बात करे कपडा व्यापारी की तो यहा तरह-तरह के कपड़े दिखाने को कहती हैं व्यापारी अज्ञात महिलाओं को कपड़ा बताने में लग जाता है इतनी देर में साथ में आई अन्य महिलाएं माल पर हाथ साफकर चोरियां करने में सफल हो जाती है।

किस तरह से घटना को देती हैं अंजाम

जोबट से आए कपड़ा व्यापारी मनीष कुमार वाणी ने बताया कि, उनकी दुकान ठेला गाड़ी पर लगाते हैं, उनकी दुकान से शातिर चोर महिलाए 10 जींस पेंटो का गड्ढा उठाकर ले गई। थोड़ी देर के बाद व्यापारी को पता चला कि, दुकान में से कपड़ा चोरी हुआ।

व्यापारी ने पकड़ा चोरी का माल

राणापुर से आए कपड़ा व्यापारी राजू भाई पिपली चौक में अपनी दुकान ठेला गाड़ी पर लगाते हैं, अज्ञात महिलाओं ने व्यापारी को झांसे में लेकर माल पर हाथ साफकर कपड़े अपनी थेली में भरकर ले गई, उन महिलाओं को चोरी करते हुए किसी अन्य दुकान वाले व्यापारी ने देख लिया, तत्काल राजू को जानकारी दी। राजू ने उन महिलाओं का पीछा किया और चोर महिलाओं को पकड़ लिया, उनकी थैली में से लड़कियों की 3-4 फ्रॉक बरामद की उक्त महिला अपना हाथ छुड़ाकर भाग निकली।

पिपली चौक में रहने वाले विवेक गोस्वामी की कपड़ा दुकान पर एक अज्ञात बदमाश कपड़ों पर हाथ साफ करने लगा। बदमाश दुकान से कपड़े लेकर भागने लगा दुकान के नौकर राजेश सानिया ने देख लिया। राजेश व दुकान मालिक विवेक दोनों बदमाश के पीछे भागे, कुछ दूरी पर जाकर अज्ञात बदमाश को पकड़ लिया, सेठ-नौकर व बदमाश के बीच छीना झपटी हुई ओर वहा से बदमाश भाग गया।

टीकाकरण महाअभियान के अंतर्गत भेरूपाड़ा पंचायत में 200 टीके का लक्ष्य किया पूर्ण

माही की गूंज, झकनावदा।

मुख्यमंत्री की पहल पर 10, 17, 24 नवंबर एवं 01 दिसंबर को चलाए जा रहे टिकाकरण महाअभियान कोरोना पर वार हर बुधवार के अंतर्गत भेरूपाडा पंचायत के केसरपुरा, गुलरिपाड, बोरघाटा में 10 नवंबर को 200 टीके का लक्ष्य प्राप्त किया टीकाकरण टीम में सीएचओ योगेन्द्र टांक, सहायक सचिव रतन सिंगार, एएनएम संगीता मोरी एवं उक्त ग्रामो को आशा कार्यकर्ता उपस्थित थी।

वैक्सीन के दूसरे डोज को लेकर कम हुआ उत्साह, घर-घर जाकर कर रहे प्रेरित

माही की गूंज, बामनिया।

कोरोना वैक्सीन के पहले डोज में प्रशासन को मिली सफलता के बाद दूसरे डोज के लिए लोगो मे उत्साह कम हो गया है, पहले डोज के बाद दूसरे डोज का समय आने पर भी लोग दूसरे डोज के लिए अस्पताल नही पहुंच रहे हैं। बुधवार को दूसरे डोज लगवाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा मुहिम चलाई गई, जिसके तहत आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ द्वारा घर-घर जाकर पहला डोज लगवा चुके लोगो को दूसरा डोज लगवाने के लिए प्रेरित किया। आशा कार्यकर्ता सुनीता बसोड़, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मीरा वसुनिया, संगीता सिंगाड, अनिता डामर मुख्य रुप से उपस्थित होकर दूसरे डोज के लिए प्रचार प्रसार कर रही है।

नायब तहसीलदार ने टीकाकरण सेंटर का किया निरीक्षण

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

मध्यप्रदेश शासन द्वारा वृद्ध स्तर पर सेकंड डोज कवरेज हेतु मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं मध्यप्रदेश शासन के नेतृत्व में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में पेटलावद एसडीएम शिशिर गेमावत के मार्गदर्शन में टीकाकरण महाअभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत सारंगी टीकाकरण केंद्र पर 3 सौ डोज का लक्ष्य दिया गया था।

टीकाकरण केंद्र पर नायब तहसीलदार सुश्री परवीन अंसारी ने पहुंच कर निरीक्षण किया, उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों से टीकाकरण के बारे में जानकारी ली एवं उचित निर्देश दिए।

टीकाकरण केन्द्र पर गिरदावर, पटवारी यस रामावत, पटवारी बवेरिया साथ थे टीकाकरण केंद्र पर पंचायत सचिव हरिराम भूरिया, रोजगार सहायक रवि सोलंकी, एएनएम चंदा शर्मा, सोसाइटी मैनेजर मनोहरलाल वर्मा, सोसायटी सेल्समैन पप्पू पाटीदार, आशा सहयोगिनी कौशल्या वर्मा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हनुमान टेकरी पर संगीतयमय अखंड रामायण पाठ का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, हनुमान टेकरी झाबुआ पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दो दिवसीय दीपावली मिलन समारोह मनाया जा रहा है।

जिसके प्रथम दिन मंगलवार को सुबह 7 बजे से संगीतमय अखंड रामायण पाठ का आयोजन आरंभ हुआ। प्रारंभ में राम दरबार सजाकर पूजन की गई। बाद पाठ में विषेष रूप से रामायण पाठ झाबुआ की टीम के साथ श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी-सदस्य सम्मिलित हुए। रामायण पाठ सत्त 24 घंटे बुधवार को सुबह 7 बजे तक चला। बाद 8 बजे पूर्णाहूति पर हवन एवं आरती होगी। उक्त कार्यक्रम के संयोजक समिति के वरिष्ठ सदस्य प्रेमअदीपसिंह पंवार रहे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में मंदिर से जुड़े युवाओं का भी सराहनीय सहयोग रहा।

महाआरती एवं अन्नकूट प्रसादी का हुआ आयोजन

शाम 7 बजे हनुमानजी का विशेष श्रृंगार कर अन्नकूट का भोग लगाकर महाआरती का आयोजन हुआ। तत्पश्चात् अन्नकूट (महाप्रसादी) का आयोजन रखा गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पिपलुखंटा के महंत दयारामदासजी महाराज के साथ वरिष्ठ समाजसेवी एवं श्री राम शरणम् के वरिष्ठ सदस्य आनंदविजयसिंह शक्तावत तथा सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष और रोटरी क्लब आजाद के पूर्व सहायक मंडलाध्यक्ष संजय कांठी उपस्थित रहे।

झाबुआ में वैक्सीन का दूसरा डोज नहीं लगाने पर नपा की राजस्व शाखा ने 5 व्यापारियों के बनाए चलान

500 रु. समन शुल्क वसूला, सतत जारी रहेगी कार्रवाई

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सोमेष मिश्रा के आदेश एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी झाबुआ एलएस डोडिया के निर्देश पर नगरपालिका की राजस्व शाखा द्वारा कोविड-19 महामारी से रोकथाम हेतु वैक्सीन के दोनो डोज लगवाए जाने की अनिवार्यता के दृष्टिगत सत्त शहर में कार्रवाई की जा रहीं है।

इसी क्रम में 9 नवंबर, मंगलवार को भी नपा की राजस्व शाखा की टीम में प्रभारी राजस्व निरीक्षक अयूब खान, सहायक राजस्व निरीक्षक आशीष भाबर, मुकेश चौहान एवं सुरेशभाई आदि ने मुख्य बाजारों में घूमकर जिन व्यापारियों द्वारा वैक्सीन का दूसरा डोज नहीं लगाया गया, उन दुकानों को चेक किया गया। मोबाईल एप पर आधार कार्ड एवं संबंधित व्यापारी के मोबाईल नंबर से जांच करने ऐसे 5 व्यापारियों, जिनमें क्रमशः विशाल कटकानी, सुरेशभाई, राजकुमार गांधी, रमेश कोचु एवं रतन बाबू द्वारा दूसरा डोज नहीं लगवाया पाए जाने पर 100 रू. प्रति मान से 500 रू. के चालान अर्थात समन शुल्क वसूला गया। साथ ही उन्हें कोरोना महामारी से रोकथाम हेतु सख्ती से दूसरा डोज शीघ्र लगवाए जाने हिदायत दी गई। राजस्व शाखा प्रभारी अयूब खान ने बताया कि आगामी दिनों में भी यह कार्रवाई सख्ती से जारी रहेगी।

हजरत पगले बाबा की दरगाह पर 19वां उर्स मनाते हुए मुस्लिम समाजजनों ने चादर पेश की

माही की गूंज, झाबुआ। शहर के छोटे तालाब के समीप हजरत पगले बाबा की दरगाह पर 9 नवंबर, मंगलवार को पगले बाबा का 19वां उर्स मनाया गया। जिसके चलते दरगाह पर दोपहर करीब 3 बजे चादर पेष कर फतेहा पढ़ी गई। जिसमें देष के अमन-चेन और वर्तमान दौर में बढ़ रही सभी प्रकार की महामारियों से मुक्ति के लिए दुआएं मांगी। बाद सभी को प्रसाद का वितरण सुभाष छाबड़ा की जानिब से किया गया।

जानकारी देते हुए इस्माईल बागवान ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी उनके निवास से निकाले जाने वाले चादर का जुलूस शासन-प्रषासन के कोविड के नियमों का पालन करते हुए नहीं निकाला गया। संक्षिप्त रूप से दोपहर में हजरत पगले बाबा की दरगाह पर समाज के वरिष्ठजनों में इस्माईल बागवान, रेहमुद्दीन शेख, सुभाष छाबड़ा, अकबर बागवान, शाहरूख बागवान, इमरान खान, इकलास सैयद, गब्बरूभाई आदि ने मजार पर चादर पेष की। बाद समीप अब्दुल मजीद चिष्ती और हजरत फज्ले गोस बाबा की मजार पर भी चादर पेष कर सभी ने फातेहा पढ़ी। अंत में सभी के लिए प्रसादी रखी गई। उक्त कार्यक्रम में समाज की महिलाएं एवं बच्चें भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीईओ अमित व्यास ने भ्रष्टाचार पर कसा सिकंजा, घबराए सरपंचों ने की शिकायत

ज्यादातर भाजपा समर्थित सरपंच लगा रहे कांग्रेस विधायक से सीईओ को हटाने की गुहार

बिना वजह जनपद के चक्कर लगाने वालों पर लगी रोक

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

पिछले दिनों पेटलावद जनपद में पदस्थ हुए नए सीईओ अमित व्यास ने आते ही अपने इरादे जाहिर करते हुए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के प्रयास क्या शुरू किए जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में अब तक आँख बंद कर भ्रष्टाचार की मलाई चाट रहे सरपंचो, जनपद के कर्मचारीयो और अघोषित ठेकेदारो की आँखों की किरकिरी बने नए सीईओ व्यास के खिलाफएक जुट होकर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों के सरपंचो के कंधे पर बंदूक रखकर उनको हटाने के उद्देश्य से ज्ञापन सांसद, विधायक को दे रहे है, जिसमे पेटलावद के इतिहास में पहली बार ट्राइबल और नान ट्राइबल का मुद्दा सामने आया जिससे जाहिर होता है कि, वर्तमान राजनीति में कई आदिवासी संगठनों की मानसिकता हावी हो रही है जो कि कभी नही रही।

ट्राइबल जनप्रतिनिधियों से अभद्र व्यवहार और घृणा के लगाए आरोप

जनपद क्षेत्र के 78 पंचायतो के सरपंच सहित लगभग जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्य आदिवासी वर्ग के आते है ऐसे में किसी भी वर्ग के अधिकारी या कर्मचारी को इनके बीच रहकर ही कार्य करना होता है, जनपद में आने वाला हर दूसरा व्यक्ति आदिवासी वर्ग का है ऐसे में किसी प्रकार की सामाजिक उपेशा का स्थान कम ही रह जाता है। नए सीईओ व्यास के आने के बाद जनपद में बिना कार्य से आने वालों पर रोक लगाते हुए ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायको और सरपंचों को कार्य के प्रति ईमानदारी रखने और भ्रष्टाचार स्वीकार नही होने के बाद कही गए जो जनपद को खोखला करने वालो को नगवार गुजरी, नए साहब के रवैये से नाराज़ कई सरपंचों ने सीईओ व्यास पर ट्राइबल जनप्रतिनिधियों से अभद्र व्यवहार और घृणा करने के गंभीर आरोप लगाते हुए उनको हटाने की मांग पिछले दिनों करी और विधायक वालसिंह मैंडा को ज्ञापन सौपते हुए नए सीईओ की मांग करी, बताया जा रहा है कि, सरपंचों ने यही मांग सांसद से भी की है।

शिकायतकार्ताओ में ज्यादातर भाजपाई सरपंच और संगठन के पदाधिकारी

मामले में जो आवेंदन सरपंचों ने क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक वालसिंह मैडा को दिया उस पर अधिकांश हस्ताक्षर भाजपाई सरपंचों के है, जिसमे से कई भाजपा में संगठन के पद पर भी बैठे है ऐसे में सत्तापक्षीय लोगों का अचानक कांग्रेस विधायक के पास जाकर गुहार लगाना कही न कही भाजपा की संगठात्मक कमजोरी को उजागर कर रहा है। अब विधायक, सरपंचों को आश्वासन दे रहे है कि, वो इस मामले को प्रमुखता से देखेंगे, अब सीईओ व्यास पर किसी प्रकार की जांच या कार्रवाई हुई तो उसका पूरा श्रेय कांग्रेस के पाले में जाना तय है। सवाल ये भी उठता है कि, अगर ग्राम पंचायतों में कार्य ईमानदारी से हो रहा है तो सरपंचों को डर किस बात का सता रहा है जो नए नवेले सीईओ पर इस प्रकार से समाज़ को बांटने वाले गम्भीर आरोप लगाने से भी पीछे नही हटे जो आज तक नही देखा गया।

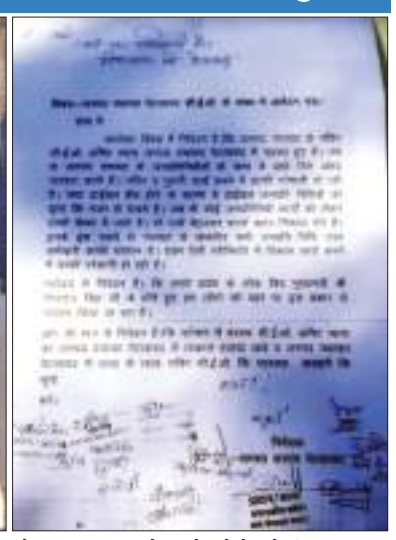

पर्दे के पीछे कौन ?

बड़ा सवाल ये उठ रहा है कि, इस पूरी योजना के पीछे किसका हाथ है...? ग्राम पंचायतों से जुड़े कई अघोषित ठेकेदार जिन्होंने नियम विरुद्ध जाकर लाखो रुपये के कार्य मनमाने ठंग से कर दिए जिसमें कई कार्यो का भुगतान अभी होना शेष है, उक्त भुगतान से जनपद के कई कर्मचारियों की टेबल से नीचे वाली आय जुड़ी हुई है, कई जीएसटी नंबर वालो के फर्जी बिल लटके पड़े है साथ ही हर पंचायत में वर्तमान सरपंचो के कार्यकाल में हुए भारी भ्रष्टाचार के उजागर होने की संभावनाओ के चलते पूरे खेल के पीछे जनपद के कुछ कर्मचारी, अघोषित ठेकेदार, फर्जी बिल वाले व्यापारी हो सकते है। पूर्व सीईओ एनएस चौहान की भूमिका भी संदेह के घेरे में है जिनके कार्यकाल में पूरे जनपद क्षेत्र में करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार की शिकायते हुई, लेकिन कोई बड़ी कार्रवाई आज तक नही हुई। इससे पहले भी सत्य उजागर करने वाली मीडिया के विरुद्ध भी पूर्व सीइओ बयान दे चुके है और सरपंचो के माध्यम से मीडिया के विरुद्ध शिकायत जिला कलेक्टर को की जा चुकी है जो कही न कही मामले में समानता दर्शाता है कि, भ्रष्टाचार को दबाने के लिए सब भ्रष्ट एक जुट है।

आख़िर किस बात का डर सता रहा है सरपंचों को ?

मिली जानकारी अनुसार नए सीईओ व्यास के आने के बाद जनपद में बिना वजह चक्कर लगाने वाले लोगो को बिना कारण घूमने पर रोक लगा दी। वही ग्राम पंचायतों के सचिवों ओर रोजगार सहायकों को ईमानदारी से किए कार्यो के भुगतान की हिदायत दी है, साथ ही कार्य के प्रति लापरवाही स्वीकार नही किए जाने के निर्देश के साथ-साथ सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायतो के निराकरण के लिए निर्देशित किया है, जो कि अच्छे प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा है। साहब की एसी सख्ती कइयों का पेट मे मरोड़े ले आई आखिर ईमानदारी से कार्य करने और सही कार्य के भुगतान करने के निर्देश देने से सरपंचो को किस बात का डर सत्ता रहा है जो इस प्रकार के आरोप के साथ विधायक के सामने जाने पर मजबूर होना पड़ा ये विचारणीय है और जग जाहिर भी।

किशोर न्याय बोर्ड का सुश्री वर्मा एवं श्री पंवार ने कार्यभार ग्रहण किया

माही की गूंज, झाबुआ।

महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्रालय द्वारा 5 नवम्बर को मध्यप्रदेश असाधारण राजपत्र में प्रदेश के राज्यपाल के नाम प्रकाशित आदेश में किशोर न्याय (बालको की देखरेख और सरंक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 04 की उपधारा (1) तथा (2) (सपठित नियम 2016 के नियम 88(10) के अनुसार पतजंलि योग समिति की अध्यक्षा एडवोकेट सुश्री रूकमणी वर्मा एवं जिला बाल कल्याण समिति के पूर्व सदस्य गोपालसिंह पंवार को झाबुआ जिले के किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य में नामाकित करने पर इन दोनो सदस्यों ने किशोर न्याय बोर्ड झाबुआ की प्रधान मजिस्ट्रेट श्रीमती तन्वी माहेश्वरी ठाकुर को मानसेवा दण्डाधिकारी के रूप में किशोर न्याय बोर्ड में पदभार ग्रहण करते हुए अपना उपस्थिति प्रतिवेदन सौपा। ज्ञातव्य है कि, सुश्री रूकमणी वर्मा एवं गोपालसिंह पंवार को यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी इनके लम्बे अनुभव को देखते हुए सौपी गई है। सुश्री रूकमणी वर्मा जहां पंचायत एवं समाज कल्याण विभाग में शासकीय दायित्वों के निर्वहन के साथ ही 25 वर्षो तक बाल सम्प्रेक्षण गृह में काम कर चुकी है। गोपालसिंह पंवार ने बाल कल्याण समिति में अपने दायित्वों का बखुबी निर्वाह किया है। दोनों के अनुभव एवं योग्यता को देखते हुए, किशोर न्याय बोर्ड में जिम्मेदारी सोपी गई है। इन दोनों ने नवीन पद भार ग्रहण कर अपना कार्य प्रारंभ कर दिया।

सुश्री रूकमणी वर्मा एवं गोपालसिंह पंवार को बाल कल्याण के क्षेत्र में प्रदत्त ज्यूडिशियन पावर्स को लेकर कहना है कि, बाल अपराधियों के प्रति वे सहानुभूतिपूर्वक रवैया अपनाते हुए उन्हे समाज की मुख्यधारा में कैसे जोडा जाए तथा उचित न्याय दिलाने की दिशा में वे हर समय अपनी भूमिका का निर्वाह करते रहेगें। सुश्री रूकमणी वर्मा एवं गोपालसिंह पंवार को मिले इस दायित्व पर पंतजंलि योग समिति, गुड मार्निग क्लब, राजपुत समाज, राजपूत महिला क्लब, सामाजिक महासंघ रोटरी क्लब, संकट मोचन हनुमानटेकरी समिति, असरा पारमार्थिक ट्रस्ट संकल्प रुप सहित विभिन्न समाजों एवं संस्थाओं की ओर से बधाईयां दी गई है ।

दाऊदी बोहरा समाज ने धर्मगुरु के जन्मदिवस पर निकाला जुलुस

माही की गूंज, थांदला।

दाऊदी बोहरा समाज द्वारा अपने धर्म गुरु डॉक्टर मुफ्दल सैफुद्दीन के 78वें जन्मदिवस पर जुलूस निकाला गया, जुलूस में समाज के बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी अपनी सफेद वेशभूषा में बड़ी उत्साह के साथ अनुशासित रूप में शामिल हुए। वही जुलूस में बुरहानी बैंड की दो अलग-अलग शाखा ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत की धुन बजाते हुए जुलूस की शमा बांधी, हिंदुस्तान जिंदाबाद और जब तक सूरज चांद रहेगा हिंदुस्तान का नाम रहेगा नारे लगाते हुए अपने धर्म गुरु का जन्म दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। जुलूस के पश्चात सभी मस्जिद प्रांगण में इकट्ठा होकर समाज का सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

छायन पश्चिम पेटलावद में बिरसा मुंडा की प्रतिमा लगाएगा आदिवासी समाज

माही की गूंज, बामनिया।

बामनिया के समीप ग्राम छायन पश्चिम में 15 नवंबर को महामानव क्रांति सूर्य भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति (गाता) की स्थापना तथा सामाजिक सभा का आयोजन किया जाना है, जिसमें झाबुआ जिले के अंतर्गत झाबुआ, राणापुर, रामा, मेघनगर तथा पेटलावद के समस्त आदिवासी समाज के समाजजन एकत्रित होंगे। जय आदिवासी युवा शक्ति संगठन एवं आदिवासी परिवार द्वारा समस्त समाज जनों को पारंपरिक परिवेश तथा वाद्य यंत्रों के साथ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने हेतु आव्हान किया गया है।

आदिवासी सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समस्त विकासखंडों में टीम बनाकर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, उक्त जानकारी जयस जिला आईटी सेल प्रभारी कांतिलाल गरवाल ने दी।

कांग्रेस के दीपावली मिलन समारोह में विधायक मैड़ा ने भरी कांग्रेस समर्थित होने की हुकार

विधायक वालसिंह मैड़ा ने कहा कांग्रेस का सच्चा सिपाही, मरते दम तक कांग्रेस का रहूंगा

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय निजी गार्डन में पेटलावद विधायक वालसिंह मैडा के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं का दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें पेटलावद क्षेत्र के कई सैकड़ो कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सम्मिलित होकर एक दूसरे को दीपावली की बधाई दी वहीं इस कार्यक्रम में क्षेत्र के सभी कांग्रेसी नेता एकजुट होकर एक मंच पर दिखाई दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सभी लोगों के द्वारा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी और सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा एक दूसरे को सामाजिक परंपरा अनुसार पैर छूकर तथा राम-राम कर दीपावली और नववर्ष की शुभकामनाएं व्यक्ति की।

कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता के हितों की लड़ेगी लड़ाई

अपने प्रभावी उद्बोधन में पेटलावद क्षेत्र के विधायक वालसिंह मैडा द्वारा भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि, जो व्यक्ति मक्का की रोटी और चटनी खाकर खेतों में काम करता है वह किसान होता है और किसान हमेशा कांग्रेस पार्टी के साथ में रहा है। कांग्रेस पार्टी के द्वारा हमेशा किसानों और आमजन के हितों की लड़ाई लड़ी है, मैं खुद किसान का बेटा हूं और किसानों सहित किसी भी क्षेत्र के व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा। कांग्रेस पार्टी एक मजबूत पार्टी है और इसकी जड़ें मजबूत और धरातल पर है जिसे कोई भी शक्ति खंडित नहीं कर सकती।

भाजपा में शामिल होने की चर्चा पर फिलहाल लगा विराम

विधायक वालसिंह मैडा द्वारा मंच से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए बताया कि, लगातार भाजपा के द्वारा यह अफवाह फैलाई जा रही है कि, मैं भाजपा ज्वाइन कर रहा हूं लेकिन मैं कांग्रेस पार्टी का सच्चा सिपाही हूं और हमेशा कांग्रेस की सेवा करते हुए खड़ा रहूंगा। आपने हमेशा पंजे का साथ निभाया है और पंजे के साथ देश का हर नागरिक खड़ा है, आने वाले पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी और हाथ के निशान को मजबूत करते हुए पंचायतों में पूरी शक्ति के साथ कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाना है। दीपावली मिलन समारोह में जुटी भीड़ से उत्साहित विधायक वालसिंह मैंड़ा ने जोश भरा भाषण दिया जिससे उपस्थित कार्यकर्ताओं में जोश भर गया और उपस्थित कार्यकर्ताओं ने तालियां बजाकर विधायक का स्वागत किया।

वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी दी बधाईयां

समारोह में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ठाकुर हनुमान सिंह डाबड़ी ने बधाई देते हुए आने वाले पंचायत के चुनाव में कांग्रेस समर्थित लोगों को सहयोग करने की अपील की है। ठाकुर अग्नि नारायण सिंह ने भाजपा सरकार की असफलताओं का विस्तृत विवरण दिया। सभी कार्यकर्ताओं को दीपावली की शुभकामनाएं व्यक्त की, सम्मेलन में यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष विक्रम मैडा, विधायक प्रतिनिधि मन्नालाल हामड, कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीवन ठाकुर, बरगद मंसूरी, मदन टेलर, विक्रम चावड़ा, ठाकुर मनोहर सिंह, जावेद लोधी, नाना गोयल, हरीश जानी, प्रभात श्रीवास्तव, भरतलाल मुलेवा सहित पदाधिकारियों ने संबोधित किया, संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश मुथा ने तथा आभार रायपुरिया के सरपंच सुखराम मेडा ने व्यक्त किया।

विधिक साक्षरता, जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के अध्यक्ष एवं माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश मोहम्मद सैय्यदुल अबरार महोदय जी के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के सचिव/अपर जिला न्यायाधीश लीलाधर सोलंकी की उपस्थिति में 10 नवंबर को भारत के आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कर विधिक साक्षरता, जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता के लिये 'घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण' विषय रखा गया था जिस पर छात्राओं द्वारा बहुत ही अच्छे निबंध लिखे गये। शिविर को संबोधित करते हुये अपर जिला न्यायाधीश/सचिव लीलाधर सोलंकी ने छात्राओं को वृद्धजनों के सम्मान एवं सुरक्षा, आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण एवं प्रवर्तन, अशिक्षा से मुक्ति, भ्रष्टाचार निषेध, नशा मुक्ति, बाल विवाह निषेध, दहेज प्रथा, बाल श्रम निषेध, गरीबी उन्मूलन एवं बेरोजगारी उन्मूलन आदि विषयों पर जानकारी प्रदान की। शिविर में प्रधान न्यायाधीश किशोर न्याय बोर्ड तनवी माहेश्वरी ठाकुर ने भी अपने संबोधन में घरेलू हिंसा एवं महिला सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। निबंध प्रतियोगिता में कु. सिमरन पिता शंकर देवड़ा कक्षा 10वीं प्रथम, कु. ऐश्वर्या पिता भूरसिंह डामोर कक्षा 10वीं द्वितीय एवं कु. कुमकुम पिता प्रकाश सोनार्थी कक्षा 10वीं तृतीय स्थान पर रहें एवं अन्य छात्राऐं कु. गौरी पिता हंसमुख मकवाना, कु. वैष्णवी पिता प्रदीप बारिया एवं कु. भावना पिता भगवान औझा को सांत्वना पुरस्कार दिये गये। उक्त शिविर में स्कूल प्राचार्य मनोज खाबिया, शिक्षक प्रदीप मग, शिक्षिका किरण श्रीवास्तव, छात्राऐं एवं अन्य स्टॉफउपस्थित रहा।

सांवलिया सेठ मंदिर पर चढ़ाई ध्वजा

माही की गूंज, थांदला।

सांवलिया सेठ मंदिर पर गवली समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी ध्वजा चढ़ाई गई, ध्वजा चढ़ाने के पश्चात महाआरती की गई। इस अवसर पर हरि ररा (चाय वाले) ने मंदिर में 51 किलो का अष्ट धातु से निर्मित घण्टा सांवलिया सेठ मंदिर को भेंट किया। कार्यक्रम में मंदिर निर्माण समिति में प्रतिमाह समाजनों के घर-घर जाकर राशि एकत्रित करने वाले पुरनमल ररा का सांवलिया सेठ निजी ट्रस्ट समिति एवं गवली समाज द्वारा साफा बांधकर श्रीफल से सम्मान किया।

ध्वजा चढ़ाई की राशि पप्पु डोगा मेहते द्वारा तथा महाआरती बैण्ड द्वारा की गई। जिसकी सहयोग राशि मांगीलाल मोती मेहते द्वारा प्रदान की गई।

उक्त कार्यक्रम में गवली समाज के मुखिया ननु पटेल, समिति के अध्यक्ष कन्नु मोरिया, मांगीलाल मोरिया, भेरूलाल मेहते, रमेश मेहते, मनीराम ब्रजवासी, हितेश मेहते, कैलाश ररा, दिनेश मोरिया, सचिन बानिया, पवन बानिया, मुकेश दुबेला, फक्कीरा मेहते सहित अन्य समाजगण उपस्थित थे।

मुक्तिधाम के शेड को लेकर नगर परिषद की हुई भारी फजियत

भुगतान नहीं होने पर ठेकेदार ने खोल लिया लोहे का सेड, नगर परिषद ने फंड नहीं होने का दिया हवाला

– लगा हुआ शेड जो कि ठेकेदार द्वारा खोल लिया गया ।

– शेड खुलने के बाद

माही की गूंज, पेटलावद।

इन दिनों पेटलावद नगर परिषद लगातार नए-नए कारनामो को लेकर चर्चा में बनी हुई है, यहां आए दिन कोई न कोई नया विवाद खड़ा हो जाता है, ज्यादातर मामलो में जनता हस्तक्षेप नही करती लेकिन पिछले दिनों पम्पवती नदी पर स्थिति मुक्तिधाम पर बने लोहे के शेड को ठेकेदार द्वारा खोल लेने के मामले में नगर परिषद सहित भाजपा और कांग्रेस की भारी फजियत हो रही है। नगर के आमजन इस मामले में नगर परिषद के रवैये का साफविरोध करते नजर आ रहे है।

फंड नहीं तो ठेकेदार ने खोल लिया अपना शेड

पिछली परिषद के कार्यालय में मुक्तिधाम के उद्धार के लिए एक करोड़ से अधिक राशि स्वीकृत हुई थी, लेकिन इतनी बड़ी राशि मे क्या हुआ किसी को नही पता, लेकिन यहां एक बड़ा टीन बना हुआ था। कार्य के ठेकेदार के अनुसार इस कार्य का भुगतान नगर परिषद में बाकी है और लगातार नगर परिषद को भुगतान के लिए कहा गया, लेकिन फंड नही होने का हवाला देकर भुगतान नही किया जा रहा था।

ठेकेदार ने बताया कि, उक्त कार्य को एमबी तक मे नही चढ़ाया गया जिससे भविष्य में भी भुगतान की उम्मीद नही थी। वही नगर परिषद द्वारा भी इसके भुगतान करने की बजाए शेड खोलने को कहा गया, मजबूरन शेड खोलना पड़ा। नगर परिषद अध्यक्ष मनोहर लाल भेटवरा का कहना है कि, उक्त कार्य मेरे कार्यकाल का नही है और नगर परिषद के पास कोई फंड नही है।

नगर में बना चर्चा का विषय, मुक्तिधाम से जुड़े मामले के कारण हर कोई नाराज़

मुक्तिधाम पर लगे शेड खुलने का मामला सोशल मीडिया पर आते ही चर्चा का विषय बन गया। पहले लोगो को लगा नगर परिषद खुद शेड खुलवा रही है, बाद में पता चला ठेकेदार शेड खोल रहा है। इस बीच मुक्तिधाम समिति ने भी शेड को नही खोले जाने के लिए प्रयास किए लेकिन नगर परिषद सहित अन्य व्यवस्था का सहयोग नही मिलने के कारण समिति भी ठेकेदार को नही रोक पाई। शेड खुलने के बाद लोगो का कहना है कि, इस प्रकार अंतिम क्रिया के स्थान के लिए नगर परिषद और जनप्रतिनिधियों के द्वारा आगे नही आना निराशाजनक है।

संपादकीय

पराली से अटकी सांस, अनुकूल समाधान की दरकार

दीपावली के बाद दिल्ली व हरियाणा-उत्तर प्रदेश स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जो प्रदूषण खतरे के गंभीर स्तर तक जा पहुंचा, उसके मूल में पटाखे जलाने, मौसम, हवा का रुख के साथ जो अन्य प्रमुख कारण बताया जा रहा है, वह है किसानों द्वारा खेतों में पराली जलाया जाना। यह अध्ययन का विषय है कि, वास्तव में पराली जलाने की इस प्रदूषण बढ़ाने में कितनी भूमिका रही, लेकिन यह एक ऐसी समस्या है, जिसका फौरी उपायों के बावजूद कारगर समाधान नहीं निकाला जा सका है। हालांकि, पंजाब में इस वर्ष प्रदूषण का स्तर पिछले वर्ष के मुकाबले कम रहा। लेकिन यह हकीकत है कि, किसानों व प्रशासनिक अधिकारियों के बीच असहायता की सामान्य भावना के चलते खेतों में फिलहाल पराली जलाने का संकट बरकरार है। नि:संदेह, धान की कटाई के बाद खेत में छोड़े गए अवशेष यानी पराली जलाना कानूनन प्रतिबंधित है। लेकिन इस समस्या के जो भी समाधान प्रस्तुत किये गए, वे सभी कारगर साबित नहीं हुए हैं। पराली के निस्तारण के लिए एक मशीन के उपयोग हेतु सब्सिडी योजना को भी सीमित सफलता ही मिल पाई है।

दरअसल, छोटे, सीमांत और मध्यम किसानों का एक बड़ा वर्ग इसकी लागत जुटाने में सक्षम नजर नहीं आया। वहीं आर्थिक दंड के प्रावधान भी कारगर साबित नहीं हुए। वास्तव में पंजाब आदि में खरीफके बाद रबी की फसल बोने के लिए किसानों को कम ही समय मिल पाता है। ऐसे में वे दूसरी फसल बोने की जल्दी में आनन-फानन पराली को ठिकाने लगाने के सरल उपाय के बारे में सोचते हैं, जिसमें सबसे आसान उसे खेत में ही पराली जलाना नजर आता है क्योंकि उसे श्रमिकों को पराली ढोने के लिए मजदूरी देने में बचत होती है। कुछ वर्ष पहले सुप्रीम कोर्ट ने किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए नकद इनाम योजना का सुझाव दिया था, लेकिन इससे जुड़ी व्यावहारिक दिक्कतों की वजह से यह योजना सिरे नहीं चढ़ सकी।

दरअसल, वक्त की नजाकत और पराली जलाने पर अंकुश लगाने के प्रयासों में निराशाजनक रूप से धीमी प्रगति को देखते हुए आवश्यकता महसूस की जा रही है कि, किसी व्यावहारिक व्यावसायिक मॉडल को अपनाया जाए, जो सही मायनों में बदलावकारी कदम साबित हो। विदेशों में पराली के व्यावसायिक उपयोग के जरिए जहां इस समस्या का समाधान किया गया, वहीं किसानों की आय में भी वृद्धि की गई है। पंजाब में कुछ निजी फर्मों ने बायोगैस संयंत्रों में गैस उत्पादन तथा कुछ उत्पादों के निर्माण के लिये पराली खरीदने का बीड़ा उठाया है। नि:संदेह केंद्र व राज्य सरकारों को ऐसी सार्थक पहल करने वाले उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, जो व्यर्थ जलाई जाने वाली पराली को उत्पादकता बढ़ाने और किसानों को आर्थिक लाभ देने का प्रयास कर रहे हैं। दिल्ली की आम आदमी सरकार ने भी जैव अपघटकों के जरिये पराली निस्तारण में सफलता का दावा किया है। दावा किया जा रहा है कि, खेत में एक रासायनिक स्प्रे से बीस से पच्चीस दिन के भीतर अधिकांश पराली को खेत की उर्वरकता बढ़ाने में तब्दील कर दिया जाता है। लेकिन पंजाब मे जहां खरीफ की फसल के बाद रबी की फसल बोने के समय का अंतर बहुत कम है, यह प्रयोग किसानों के अनुकूल साबित नहीं हुआ और इसे सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिल पाया। दरअसल, इस मुद्दे पर सियासी घमासान के बीच शहरी लोगों की यह सोच बनी है कि, इस समस्या के लिए किसान ही दोषी है। यह भी कि, किसान को देश व पर्यावरण की चिंता नहीं है। जबकि एक हकीकत यह भी है कि, पराली जलाए जाने से होने वाले प्रदूषण का पहला शिकार किसान व उसका परिवार ही होता है। इस मुद्दे पर शासन-प्रशासन द्वारा कारगर विकल्प न दिए जाने और किसानों की सोच के दायरे में पहल न होने से भी समस्या जटिल बनी है। दरअसल, उसके सामने पराली को ठिकाने लगाने के सीमित विकल्प हैं। वास्तव में यह समस्या बेहतर व व्यावहारिक प्रबंधन व तार्किक समाधान की मांग करती है। महज दोषारोपण से समस्या का कारगर समाधान निकलने वाला नहीं है।

चीन की तर्ज पर आर्थिकी सर्जरी के सबक लें

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

चीन इस समय तीन संकटों से जूझ रहा है। पहला संकट बेल्ट एंड रोड परियोजना या बीआरआई का है। बीते दो दशकों में चीन ने सम्पूर्ण विश्व को माल निर्यात किया है और चीन को भारी मात्रा में आय हुई है। इस रकम का निवेश करना जरूरी था। चीन ने इसका उपयोग बीआरआई में किया है। इससे चीन के निर्यातकों को आसानी होगी क्योंकि चीन का माल दूसरे देशों में आसानी से पहुंच सकेगा। साथ-साथ चीन की निर्माण कंपनियों को भी बड़े ठेके मिलेंगे। लेकिन दूसरे देशों पर बीआरआई का प्रभाव संदिग्ध है। विश्व बैंक के अनुसार चीन से यूरोप को जाने वाली बीआरआई पर कजाखस्तान और पोलैंड में निर्माण की गतिविधियां बढ़ी हैं।

लेकिन बीआरआई में भ्रष्टाचार व्याप्त है। चीन की नौकरशाही द्वारा परियोजनाओं की लागत को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है और पर्याप्त रकम का रिसाव कर लिया जाता है। इस दृष्टि से मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने बीआरआई को 'नया उपनिवेशवाद' बताया है। म्यांमार ने कुछ बंदरगाह परियोजनाओं को निरस्त किया है। अन्य तमाम देशों ने परियोजनाओं के आकार में बदलाव की मांग की है। इसलिए बीआरआई के दो परस्पर विरोधी संकेत उपलब्ध हैं। एक तरफ कजाखस्तान और पोलैंड जैसे देशों को लाभ हो रहा है जबकि दूसरी तरफ मलेशिया जैसे देश इसका विरोध कर रहे हैं। इन दोनों परस्पर विरोधी संकेतों के बीच चीन को बीआरआई की सर्जरी करनी होगी, जिसमें केवल कुशल परियोजनाओं को लागू किया जाए और परियोजनाओं में रिसाव पर नियंत्रण किया जाए। फिलहाल चीन यह सर्जरी नहीं कर रहा है। इसलिए बीआरआई पर संकट विद्यमान रहने की संभावना है। चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी और दूसरी इसी तरह की विशाल कंपनियों का है। इन कंपनियों ने भारी मात्रा में लोन लिए थे। एवरग्रैंड ने भारी मात्रा में बहुमंजिले रिहायशी मकान बनाए लेकिन कोविड संकट के कारण इनकी बिक्री नहीं हो सकी। फ्लस्वरूप यह कंपनी लोन से दब गई और समय के अनुसार रिपेमेंट नहीं कर पा रही थी। इस तरह की कंपनियों के डूबने से संपूर्ण अर्थव्यवस्था में संकट पैदा न हो, इसलिए शी जिनपिंग ने नियम बनाया कि किसी भी कंपनी को लोन तब ही दिए जायेंगे जब वे तीन शर्तों को पूरा करेंगी। पहली शर्त थी कि कंपनी की कुल संपत्ति, कंपनी द्वारा लिए गए कुल लोन से अधिक होनी चाहिए। दूसरी शर्त थी कि कंपनी के पास अल्प समय में लोन के रिपेमेंट को जितनी रकम की जरूरत है, उससे अधिक नकद उपलब्ध होना चाहिए। तीसरी शर्त थी कि कंपनी के अपनी पूंजी या शेयर कैपिटल की तुलना में लिया गया लोन कम होना चाहिए। जिन कंपनियों द्वारा इन तीनों शर्तों को पूरा किया जाता था, केवल उन्हीं को बैंक लोन दे सकते थे। एवरग्रैंड इन तीनों ही शर्तों को पूरा नहीं कर सकी। फ्लस्वरुप एवरग्रैंड को नए लोन नहीं मिल सके। वह लिए गए लोन का रिपेमेंट नहीं कर सकी क्योंकि उसके द्वारा बनाए गए रिहायशी मकान बिक नहीं रहे थे। इस संकट से उबरने के लिए एवरग्रैंड को अपनी संपत्तियों को कम मूल्य पर बेचना पड़ा।

चीन की सरकार ने सार्वजनिक इकाइयों को आदेश दिए कि, एवरग्रैंड की संपत्तियों को वे कम दाम पर खरीद सकते हैं। इस प्रकार भारी भरकम लोन से दबी हुई एवरग्रैंड कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर अपने को हल्का बनाना पड़ रहा है। यदि सरकार इस प्रकार का सख्त कदम नहीं उठाती तो बैंक इस कंपनी को और लोन देते रहते और आने वाले समय में यह बड़े संकट के रूप में संपूर्ण चीन की अर्थव्यवस्था को डुबा सकती थी। इसलिए चीन द्वारा अपनी वित्तीय अर्थव्यवस्था की सर्जरी की गई है, ऐसा मानना चाहिए। यह शुभ संकेत है क्योंकि स्वयं अपने ऊपर लाए गए इस छोटे संकट से चीन अपनी अर्थव्यवस्था को भविष्य में बड़े संकट से बचा सकेगा। वर्तमान में चीन के सामने तीसरा संकट बिजली का है। इसका कारण यह है कि शी जिनपिंग ने प्रदूषण फैलाने वाले थर्मल संयंत्रों द्वारा वायु के प्रदूषण किए जाने पर रोक लगाई है। कोयले से बिजली उत्पादन करने वाले कई संयंत्र बंद हो गए हैं और बिजली का संकट पैदा हो गया है। नशेड़ी को गुटखा न दिया जाए तो वह पस्त हो जाता है। इसी प्रकार वायु प्रदूषण के नशे में धुत चीन की अर्थव्यवस्था को प्रदूषण पर रोक लगाने से यह संकट पैदा हुआ है। यह भी चीन के लिए शुभ संकेत है। प्रदूषण कम होने से अर्थव्यवस्था मूलतः सुदृढ़ होती है। ऊर्जा का कुशल उपयोग होता है और लम्बे समय में सस्ता माल बनाया जाता है। बिजली महंगी होगी तो बिजली का सदुपयोग होगा और अंत में चीन की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी। चीन के तीन संकटों में एवरग्रैंड का वित्तीय संकट और पावर कट का संकट इसलिए पैदा हुआ है कि, चीन स्वयं अपनी सर्जरी कर रहा है। बीआरआई की सर्जरी फिलहाल चीन करता नहीं दिख रहा है लेकिन यदि इसकी भी सर्जरी करेगा तो चीन उस संकट से भी सुदृढ़ता से निकलेगा। इस परिस्थिति में भारत को चीन द्वारा उठाए गए कदमों से सीख लेनी चाहिए। पहला यह कि अपने देश में थर्मल बिजली संयंत्रों और जल विद्युत परियोजनाओं द्वारा भारी मात्रा में प्रदूषण किया जा रहा है, जिस पर रोक लगाने से हमारी अर्थव्यवस्था कुशल होगी। भारत सरकार फिलहाल सस्ती बिजली के लिए प्रदूषण को छूट दे रही है जो कि अर्थव्यवस्था को डुबाएगी।

फिर भी भारत सरकार ने वित्तीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सही कदम उठाए हैं। बड़ी संकटग्रस्त कमजोर कंपनियों को भारतीय बैंकों से लोन मिलने कम हो गए हैं और आने वाले समय में वित्तीय संकट भारत पर उत्पन्न नहीं होगा। लेकिन बिजली के क्षेत्र में भारत को चीन की तरह अपनी सर्जरी करनी होगी अन्यथा हम आने वाले समय में चीन से पिछड़ जाएंगे।

ई-हिरासत प्रमाण-पत्र से जगी उम्मीदें

अनुप भटनागर

कैदी की रिहाई के आदेश पर अमल में विलंब संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त वैयक्तिक स्वतंत्रता को प्रभावित करता है। कैदियों के वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका आवश्यक कदम उठा रही है। लेकिन यह भी सही है कि, उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय से जमानत याचिका स्वीकार होने के न्यायिक आदेश अमल के लिए सक्षम अदालत के पास जाता है जहां कई बार औपचारिकताएं पूरी करने में वक्त लगता है। उच्चतर न्यायपालिका और जमानत संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करने वाली सक्षम अदालत के बीच का समय भी कम करने की आवश्यकता है।

फिल्म अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन के मामले में ऐसा ही कुछ हुआ था क्योंकि बंबई उच्च न्यायालय ने जमानत देने का मौखिक आदेश सुनाया और इसके एक दिन बाद आदेश के मुख्य अंश जारी किए, जिसमें जमानत के लिए लगाई गई शर्तों में निजी मुचलका देना और दूसरी औपचारिकताएं पूरी करना भी शामिल था। हालांकि, उच्च न्यायालय का विस्तृत आदेश अभी भी प्रतीक्षित है। लेकिन सक्षम अदालत में इन औपचारिकताओं को पूरा करने में वक्त लगा जिस वजह से आर्यन को दो दिन आर्थर जेल में और रहना पड़ा था। आर्यन खान की जमानत याचिका पर तो बंबई उच्च न्यायालय ने तत्परता से सुनवाई करके उसकी रिहाई का आदेश दे दिया, लेकिन मादक पदार्थों से संबंधित आरोपों में जेल में बंद अनेक विचाराधीन कैदी इतने खुशकिस्मत नहीं हैं। आर्यन खान की जमानत याचिका को प्राथमिकता दिए जाने पर न्यायालय में कुछ वकीलों ने सवाल भी उठाए थे।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति डॉ. धनन्जय वाई चंद्रचूड़ ने हाल ही जमानत पर कैदियों की रिहाई में विलंब पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने इस तथ्य का भी जिक्र किया था कि, जिला अदालतों में 2.95 करोड़ आपराधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 77 प्रतिशत से ज्यादा एक साल से पुराने मामले हैं। हालांकि, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह उल्लेख नहीं किया था कि, कितने मामलों में कैदियों की जमानत याचिकाएं लंबित हैं और इनके निपटारे में विलंब की वजह क्या है। लेकिन, उन्होंने यह जरूर कहा कि उड़ीसा उच्च न्यायालय ने एक पहल की है, जिसमें प्रत्येक विचाराधीन कैदी और कारावास की सज़ा भुगत रहे हर दोषी को 'ई-हिरासत प्रमाणपत्र' प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा था, 'यह ई-हिरासत प्रमाण-पत्र हमें उस विशेष विचाराधीन कैदी या दोषी के मामले में प्रारंभिक हिरासत की अवधि से लेकर बाद की प्रगति तक सारा विवरण उपलब्ध कराएगा। इससे हमें यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि जमानत के आदेश जारी होते ही उन्हें तत्काल संप्रेषित किया जा सके।' ई-हिरासत प्रमाणपत्र की व्यवस्था हरियाणा में पहले से ही लागू है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हाल ही में पंजाब सरकार को भी जमानत याचिकाओं पर तेजी से निर्णय सुनिश्चित करने के लिए ई-हिरासत प्रमाणपत्र देने की प्रक्रिया तेज करने का आदेश दिया है। उच्च न्यायपालिका लगातार कैदियों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रयत्नशील है और उसका प्रयास है कि, कैदियों की रिहाई से संबंधित अदालती आदेश त्वरित गति से संबंधित जेल पहुंचे ताकि प्राधिकारी तत्परता से उस पर अमल कर सकें। जमानत पर कैदियों की रिहाई तेजी से सुनिश्चित करने के इरादे से ही अब फास्टर योजना शुरू की गई है। इसमें डिजिटल माध्यम से जमानत का आदेश यथाशीघ्र जेल अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रावधान है। लेकिन मुंबई की आर्थर रोड जेल में तो अभी भी 'कागो हाथ संदेशा' वाली व्यवस्था है। जेल के द्वार पर एक डिब्बा टंगा है, जिसमें अदालत का आदेश पहुंचाया जाता है।

जमानत के आदेश तत्परता से जेल अधिकारियों तक नहीं पहुंचने की वजह से अक्सर कैदियों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शीर्ष अदालत ने इन समस्याओं और कैदियों के मानव अधिकारों को ध्यान में रखते हुए ही जमानत के आदेश यथाशीघ्र जेल प्राधिकारियों तक पहुंचाने की नयी व्यवस्था शुरू की है। इस नई व्यवस्था के अमल में आने के बाद कैदियों को जमानत का आदेश होने के बाद इसकी प्रमाणित प्रति नहीं मिलने जैसी तमाम वजहों से उन्हें जेल की सलाखों के पीछे ज्यादा देर नहीं रहना पड़ेगा। न्यायालय की इस पहल से निश्चित ही जेलों में बंद कैदियों के भी वैयक्तिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की रक्षा हो सकेगी। लेकिन इसके लिए यह सुनिश्चित करना होगा कि जमानत देने संबंधी उच्चतर न्यायपालिका के आदेश पर यथाशीघ्र अमल के लिए इसे तमाम औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए संबंधित अदालत तक संप्रेषित करने की व्यवस्था भी चाक चौबंद रहे। ई-हिरासत प्रमाणपत्र व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह है कि किसी भी कैदी की जमानत याचिका पर विचार करते समय कंप्यूटर पर एक ही क्लिक में उसका सारा विवरण अदालत के सामने होगा। नि:संदेह, कैदियों की तेजी से जमानत पर रिहाई और उनकी वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करते समय यह भी सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि, उच्चतर न्यायपालिका मौखिक रूप से जमानत का आदेश सुनाने की बजाय मुख्य अंशों का हिस्सा तुरंत जारी करें ताकि इसके आधार पर संबंधित अदालत में तेजी से औपचारिकता पूरी की जा सके।

उम्मीद की जानी चाहिए कि कैदियों के ई-हिरासत प्रमाणपत्र और डिजिटल माध्यम से जमानत के आदेश जेल प्राधिकारियों तक पहुंचाने की व्यवस्था पूरी तरह अमल में आने के बाद कैदियों की रिहाई में विलंब नहीं होगा।

प्रकृतिक प्रणालियों पर प्रहार करता जलवायु परिवर्तन

डॉ. शंकर सुवन सिंह

करोड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी एक तपता (आग) हुआ गोला थी। जैसे-जैसे समय बीतता गया तपते हुए गोले से सागर, महाद्वीपों आदि का निर्माण हुआ। पृथ्वी पर अनुकूल जलवायु ने मानव जीवन तथा अन्य जीव सृष्टि को जीवन दिया जिससे इन सबका जीवन-अस्तित्व कायम रखने वाली प्रकृति का निर्माण हुआ। मानव प्रकृति का हिस्सा है, प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं, प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है- 'प्र' और 'कृति'। 'प्र' अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और 'कृति' का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है।

प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। प्रकृति की सबसे बड़ी खासियत यह है कि, वह अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। जैसे-नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती, पेड़ अपने फल खुद नहीं खाते, फूल अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैला देते हैं, इसका मतलब यह हुआ कि प्रकृति किसी के साथ भेदभाव या पक्षपात नहीं करती। लेकिन मनुष्य जब प्रकृति से अनावश्यक खिलवाड़ करता है तब उसे गुस्सा आता है। जिसे वह समय-समय पर सूखा, बाढ़, सैलाब, तूफान के रूप में व्यक्त करते हुए मनुष्य को सचेत करती है।

जल, जंगल और जमीन विकास के पर्याय हैं। जल, जंगल और जमीन जब तक है तब तक मानव का विकास होता रहेगा। मानव जो छोड़ते हैं उसको पेड़-पौधे लेते हैं और जो पेड़-पौध छोड़ते हैं उसको मानव लेते हैं। जल, जंगल और जमीन से ही जीवन है। जीवन ही नहीं रहेगा तो विकास अर्थात बिजली, सड़क आदि किसी काम के नहीं रहेंगे। जल, जंगल और जमीन को संरक्षित करने लिए मन का शुद्ध होना बहुत जरुरी है। मन आर्तरिक पर्यावरण का हिस्सा है। जल, जंगल और जमीन वाह्य (बाहरी) पर्यावरण का हिस्सा है। हर धर्म ने माना प्राकृतिक विनाश से विकास संभव नहीं है। जलवायु, पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है, क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। विश्व में जलवायु परिवर्तन चिंता का विषय बना हुआ हैद्य शहरों का भौतिक विकास जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण है। जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, विकिरण प्रदूषण रूपी दैत्यों ने पृथ्वी की जलवायु को पूर्णतः बदल दिया है। दीपावली के त्यौहार में पटाखों का खूब जम कर इस्तेमाल हुआ नतीजा वायु प्रदुषण। किसी भी त्यौहार का उल्लास मनाने में यदि हमारा वातावरण दूषित होता है तो इससे मानव प्रकृति और प्राकृतिक प्रकृति दोनों ही प्रभावित होती हैं। प्रकृति का पूरे मानव जाति के लिए एक सामान व्यवहार होता है। प्रकृति का सम्बन्ध धर्म विशेष से नहीं होता। अतएव सभी मानव जाति को प्रकृति को अपना मूल अस्तित्व समझना चाहिए।

शुद्ध पेय जल मानव जाती एवं जीव जंतु सभी के लिए एक आवश्यक तत्व है। सृष्टि जीवन के प्रारम्भ में जल निर्मल था, वायु स्वच्छ थी, भूमि शुद्ध थी एवं मनुष्य के विचार भी शुद्ध थे। हरी-भरी इस प्रकृति में सभी जीव-जन्तु तथा पेड़-पौधे बड़ी स्वच्छन्दता से पनपते थे। चारों दिशाओं मे ''वसुधैव कुटुम्बकम'' का वातावरण था तथा प्रकृति भली-भाँति पूर्णतः सन्तुलित थी। किन्तु जैसे-जैसे समय बीता, मानव ने विकास और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु उसने शुद्ध जल, शुद्ध वायु तथा अन्य नैसर्गिक संसाधनों का भरपूर उपभोग किया। मनुष्य की हर आवश्यकता का समाधान निसर्ग ने किया है, किन्तु बदले में मनुष्य ने प्रदूषण जैसी कभी भी खत्म न होने वाली समस्या पैदा कर दी है। वर्षा के जल को प्रकृति द्वारा एक नियत समय पर, नियत मात्रा में हम प्राप्त करते हैं। अतः इसका संरक्षण करना भी हमारे लिए अति आवश्यक प्रक्रिया होनी चाहिए। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने देश भर के ग्राम प्रधानों एवं मुखिया को पत्र लिख के वर्षा जल संगृहीत करने की अपील की थी। यह पहला मौका था जब ग्राम प्रधानों को किसी प्रधानमंत्री ने जल संचयन के लिए पत्र लिखा था। संरक्षण के आभाव में वर्षा से प्राप्त जल बह जाता है या वाष्पित हो के उड़ जाता है। हमारे देश में वर्षा पर्याप्त मात्रा में होती है। फिर भी हम पानी का संकट झेलते हैं। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया के लगभग 1.4 अरब लोगों को शुद्ध-पेयजल उपलब्ध नहीं है। नीति आयोग द्वारा वर्ष 2019 में जारी समग्र जल प्रबंधंन सूचकांक (सीडब्लूएम्आई) रिपोर्ट के अनुसार देश में 60 करोड़ लोग पानी की गंभीर किल्लत का सामना कर रहे हैं। करीब दो लाख लोग स्वच्छ पानी न मिल पाने के वजह से हर वर्ष जान गवां देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2030 ई. तक देश में पानी की मांग, उपलब्ध जल वितरण की दुगनी हो जाएगी। जिसका मतलब है कि, करोंड़ो लोगो में पानी का गंभीर संकट पैदा हो जाएगा और देश में जीडीपी में 6 प्रतिशत की कमी देखी जाएगी। स्वंतंत्र संस्थाओ द्वारा जुटाए गए डाटा का उदाहरण देते हुए रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि, करीब 70 प्रतिशत प्रदूषित पानी के साथ भारत जल गुड़वत्ता सूचकांक में 122 देशो में 120 नंबर पर है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियां अलग हैं। वर्षा काल में जहां भारत के एक हिस्से में बाढ़ के हालात होते हैं वहीँ दूसरे हिस्से में भयंकर सूखा की स्थिति होती है। कई क्षेत्रों में मूसलाधार वर्षा होने के बावजूद लोग एक-एक बूँद पानी के लिए तरसते हैं। कई स्थानों में तो संघर्ष की स्थिति हो जाती है। इसका प्रमुख कारण है वर्षा के जल का सही प्रकार से संचयन न करना। जिससे पानी बह कर प्रदूषित हो जाता है। प्रकृति के संसाधनों को लेकर हम यह सोचते हैं कि, यह कभी खत्म नहीं होगा। जिससे जल भण्डारण धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर है। इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि, हम जितना पानी प्रकृति से जल भण्डारण के रूप में लेते हैं उतना उसको वापस भी करें। विश्व में प्रत्येक वर्ष के 10 नवंबर को विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस बार विश्व विज्ञान दिवस 2021 की थीम/प्रसंग है- जलवायु के लिए तैयार समुदायों का निर्माण (बिल्डिंग क्लाइमेट-रेडी कम्युनिटीज)। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य शांतिपूर्ण और टिकाऊ समाज के लिए विज्ञान की भूमिका के बारे में जन जागरूकता को मजबूत करना है। विश्व विज्ञान दिवस पर यूनेस्को कलिंग अवार्ड भी दिया जाता है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में विज्ञान की अहम् भूमिका होती है। अतएव समाज को विज्ञान से जोड़ने और समाज को विज्ञान के करीब लाने की आवश्यकता है। जलवायु विज्ञान के बारे में समुदायों को जागरूक होना होगा। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिए ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिए छोटे स्थान के लिए प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि, यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से, सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं, समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है। जलवायु पर्यावरण को नियंत्रित करने वाला प्रमुख कारक है क्योंकि जलवायु से प्राकृतिक वनस्पति, मिट्टी, जलराशि तथा जीव जन्तु प्रभावित होते हैं। जलवायु मानव की मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं पर प्रभाव डालती है। मानव पर प्रभाव डालने वाले तत्वों के जलवायु सर्वाधिक प्रभावशाली है क्योंकि यह पर्यावरण के अन्य कारकों को भी नियंत्रित करती है। पृथ्वी का वातावरण सूर्य की कुछ ऊर्जा को ग्रहण करता है, उसे ग्रीन हाउस इफेक्ट कहते हैं। पृथ्वी के चारों ओर ग्रीन हाउस गैसों की एक परत होती है। इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं। ये गैसें सूर्य की ऊर्जा का शोषण करके पृथ्वी की सतह को गर्म कर देती है इससे पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन हो रहा है। गर्मी की ऋतु लम्बी अवधि की और सर्दी की ऋतु छोटी अवधि की होती जा रही है। ग्रीन हाउस गैस के लगातार वृद्धि से भी ओजोन मात्रा घटती है। ग्रीन हाउस गैस प्रजनन के लिए उत्तरदायी स्रोत लकड़ी के दहन से कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन, पशु, मानव-विष्ठा एवं जैव सड़ाव से मीथेन उत्सर्जन और हाइड्रोकार्बन एवं नाइट्रोजन के ऑक्साइड के प्रभाव में ट्रोपोस्फियर के भीतर मीथेन गैस का निर्माण। लम्बी तरंग धैर्य विकिरण का कुछ भाग वायुमंडल के ऊपरी ठन्डे भाग में उपस्थित ट्रेस गैसों द्धारा अवशोषित हो जाता है। इन्ही ट्रेस गैसों को ग्रीन हाउस गैस कहते हैं। पृथ्वी की प्राकृतिक जलवायु निरन्तर बदलती रही है। ग्रीन हाउस प्रभाव के द्वारा पृथ्वी की सतह गर्म हो रही है। ग्रीन हाउस प्रभाव, सूर्य की किरणें, कुछ गैसों और वायुमण्डल में उपस्थित कुछ कणों से मिलकर होने की जटिल प्रक्रिया है। कुछ सूर्य की ऊष्मा वायुमण्डल से परावर्तित होकर बाहर चली जाती हैं। लेकिन कुछ ग्रीन हाउस गैसों के द्वारा बनाई हुई परत के कारण बाहर नहीं जाती है। अतः पृथ्वी का निम्न वायुमंडल गर्म हो जाता है। ग्रीन हाउस प्रभाव एक प्राकृतिक प्रक्रिया है तथा यह जीवन को प्रभावित करती है। पर्यावरण में बढ़ी हुई ऑक्सीजन, ओजोन परत को मोटी रखने में सहायक होती है। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि, ओजोन परत और ऑक्सीजन दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। अतएव जल जंगल और जमीन तीनो को ध्यान में रख कर पृथ्वी का विकास करना चाहिए। ओजोन की मोटी परत सभी हानिकारक तत्वों को पृथ्वी पर आने से रोकती हैं। विश्व विज्ञान दिवस 2021 में हम सभी को ग्रीन हाउस गैसों के निष्कासन में कमी की आवश्यकता पर ध्यान देना होगा। ग्रीन हाउस गैसों के निष्कासन में कमी करना कठिन है परन्तु असंभव नहीं है। कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य जिनके द्वारा इसके निष्कासन को कम किया जा सकता है, वो इस प्रकार है- खपत तथा उत्पादन में ऊर्जीय क्षमता की बढ़त होनी चाहिए। वाहनों में पूर्ण रूप से ईंधन का दहन होना चाहिए जो की ठीक रख-रखाव से संभव है। नई स्वचलित वाहन तकनीक पर जोर देने की आवश्यकता है। ऊर्जा के नए स्रोतों का प्रयोग करना चहिए जैसे-सौर ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा इत्यादि। उद्योगों से निकलने वाले जहरीले पदार्थों के निष्कासन को कम करन चाहिए। हैलोकार्बन के उत्पादन को कम करना चाहिए जैसे- फ्रिज, एयरकन्डीशन में पुनः चक्रीय रसायनों का प्रयोग करना चाहिए। ईंधन वाले वाहनों का प्रयोग कम करना चाहिए। वनीकरण को बढ़ावा देना चाहिए तथा जंगलों को कटने से रोकना चाहिए। समुद्रीय शैवाल बढ़ाना चाहिए ताकि प्रकाश संश्लेषण के द्वारा कार्बन डाइआक्साइड का प्रयोग किया जा सके। ये सारे तथ्य पर्यावरण संरक्षण में सहायक साबित होते हैं। इन तथ्यों को अपनाकर ग्रीन हाउस प्रभाव को कम करके उसके द्वारा उत्पन्न जटिल समस्याओं को रोका जा सकता है। जिससे पर्यावरण बचाव मुख्य रूप से ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से निपटा जा सकता है,ताकि एक बेहतर भविष्य बने। पृथ्वी को ग्रीन हाउस गैसों के प्रभाव से बचाना होगा तभी हमारी पृथ्वी स्वस्थ्य और निर्भीक बनेगी। अतएव हम कह सकते हैं कि जलवायु विज्ञान की जागरूकता, जलवायु परिवर्तन की मार से बचा सकती है।

बीपीएल भ्रष्टाचार के बाद पीएम आवास योजना में भ्रष्टाचार का मामला सामने आया

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

अकोदिया नगर परिषद में बीपीएल भ्रष्टाचार के खुलासे के बाद अब प्रधानमंत्री आवास योजना में दूसरे बड़े भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ हैं। हर गरीब को अपना छत अपना आवास मिले, ऐसा सपना लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आवास योजना चलाई। परंतु यहां आवास योजना भ्रष्टाचारियों के हाथ लगकर अपात्र लोगों को या अपने सगे संबंधियों को लाभ देकर इस योजना का भरपूर मजाक उड़ाया गया। अकोदिया नगर परिषद में 158 आवास में आवास प्रभारी समंदर सिंह चौहान द्वारा सगे भाई-भतीजे को या एलडीसी वर्ग तीन के कर्मचारी अयूब खा पिता सत्तार खा को आवास योजना में लाभ देकर भ्रष्टाचार की एक नई मिसाल कायम की है। इसमें सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा से सांठ-गांठ कर पहले भी बीपीएल राशन कार्ड में भ्रष्टाचार कर, बाद में अपना गुनाह समंदर सिंह चौहान ने शपथ-पत्र पर कबूल किया।

शिकायतकर्ता कृष्णकांत मेवाड़ा द्वारा जिलाधीश जिला शाजापुर को दिनांक 28 दिसम्बर 2020 जिसका आवक लिपिक क्रमांक 78 है, आवेदन देकर आवास योजना में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत कर कार्रवाई हेतु मांग की है। परंतु जिले में बैठे उच्च अधिकारी अकोदिया नगर परिषद के भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभा रहे हैं। जब कृष्णकांत मेवाड़ा द्वारा पूर्ण सबूत सहित शिकायत दर्ज कराई गई, तो फिर शासन के उच्च पदों पर बैठे अधिकारी द्वारा शासन की मदद में अकोदिया नगर परिषद के भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करने में अपनी कलम धीमी-धीमी क्यों चला रहे हैं। शिकायतकर्ता कृष्णकांत मेवाड़ा द्वारा दिए आवेदन में बताया, कार्यालय नगर परिषद अकोदिया जिला शाजापुर मध्य प्रदेश द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत लाभार्थी आधारित व्यक्ति आवास निर्माण विस्तार (बीएलसी) पीएलसी में अपात्र लोगों को हितग्राही बनाकर धनराशि स्वीकृत कर प्रदान की गई। अपात्र लोगों के नाम एवं संपूर्ण जानकारी आवेदक कृष्णकांत मेवाड़ा ने सूचना के अधिकार के तहत अकोदिया नगर परिषद से ही सत्यापित प्रतिलिपि प्रदान की है। उसी के आधार पर इस खबर की प्रमुखता आप लोगों को बता रहे हैं परंतु फिर भी आज दिनांक तक शिकायत में न ही जांच हो रही है न ही कार्रवाई और न ही आवेदक को किसी कार्रवाई से अवगत कराया जा रहा है।

जिलाधीश को शिकायतकर्ता कृष्णकांत द्वारा कार्रवाई के लिए दिया आवेदन।

इनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए दिया आवेदन

सीएमओ रमेश चंद्र वर्मा।

नप कर्मचारी समंदर सिंह चौहान।

1. अयूब खा पिता सत्तार खा निवासी वार्ड क्रमांक 3, जो अकोदिया नगर परिषद अकोदिया में स्थाई कर्मचारी को स्वीकृत आवास प्रकरण क्रमांक 13/3इ50 स्वीकृत।

2. महेंद्र पिता रतन सिंह निवासी वार्ड क्रमांक एक का स्वयं का कोई प्लाट व मकान नहीं है। स्वामित्व प्रमाण-पत्र रतन सिंह पिता छतर सिंह भवन क्रमांक 94, प्रकरण क्रमांक 13/3इ6 स्वीकृत।

3. कृपाल पिता रतन सिंह निवासी वार्ड क्रमांक एक अकोदिया का स्वयं का कोई मकान प्लाट नहीं है। स्वामित्व प्रमाण-पत्र रतन सिंह पिता छतर सिंह भवन क्रमांक 94, प्रकरण क्रमांक 13/3इ7 स्वीकृत।

4. महेंद्र पिता रतन सिंह व कृपाल पिता रतन सिंह दोनों के स्वामित्व प्रमाण-पत्र अकोदिया नगर परिषद से सूचना के अधिकार के माध्यम से प्राप्त हुए। दोनों शपथ-पत्र पर भवन क्रमांक 94 ही है एवं महेंद्र पिता रतन सिंह इन आवास लाभार्थी का भी भवन क्रमांक 94 पर दर्ज है। दोनों स्वामित्व प्रमाण-पत्रों का सीरियल क्रमांक 113 ही है।

5. देवेंद्र पिता माधोसिंह निवासी वार्ड क्रमांक एक अकोदिया का स्वयं का कोई मकान/प्लाट नहीं है। स्वामित्व प्रमाण-पत्र माधोसिंह पिता छतर सिंह भवन क्रमांक 95, प्रकरण क्रमांक 13/3इ10 स्वीकृत।

अकोदिया नगर पंचायत में पदस्थ कर्मचारी समंदर सिंह चौहान द्वारा अपने सगे भाई माधोसिंह का बीपीएल राशन कार्ड बनाकर इलाज हेतु शासन की जन कल्याण योजनाओं का गलत तरीके से लाभ दिलवाया। उसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना में देवेंद्र पिता माधोसिंह को आवास योजना में लाभ दिलाया। जबकि देवेंद्र चौहान द्वारा अपनी पत्नी के नाम से अकोदिया मंडी में भवन बनाया हुआ है, फिर उनको प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ क्यों दिया गया। ये भी सोचनीय विषय बन चुका है कि कहीं आवास योजना भी भ्रष्टाचार की भेंट तो नहीं चढ़ गई।

वाहन रैली का हुआ आयोजन

माही की गूंज, शाजापुर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत सुरेन्द्र श्रीवास्तव प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शाजापुर के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति शुजालपुर के तत्वाधान में गांधी पार्क शुजालपुर मण्डी से अम्बेडकर पार्क न्यायालय परिसर शुजालपुर सिटी तक वाहन रैली का आयोजन किया गया। रूपम वेदी अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति/जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश ने रैली को हरी झंडी देकर प्रारंभ किया।

उक्त जागरूकता रैली के प्रारंभिक उद्बोधन में अपर जिला न्यायाधीश श्री रूपम वेदी ने उपस्थित अधिवक्तागण, पुलिस विभाग का स्टाफ एनसीसी के छात्र व जेएनएस महाविद्यालय के विधि विभाग के स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि, इस रैली का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है कि आप अपने आस-पास, ग्रामीण एवं सामाजिक स्तर लोगों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लिए जागरूक करें ताकि पात्र व्यक्ति इसका लाभ ले सकें।

आमजन में विधिक जागरूकता के मूल उद्देश्य के लिए आयोजित की गई जागरूकता वाहन रैली में विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं, मूल कर्तव्य एवं अधिकार, स्वच्छता एवं प्रकृति संरक्षण, पर्यावरण की रक्षा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, यातायात सुरक्षा, बाल श्रम अपराध, महिलाओं के संरक्षण संबंधी जागरूकता को दर्शित करते स्लोगन की तख्तियां व बेनर लेकर अधिवक्तागण, पुलिस विभाग का स्टाफ एनसीसी केडेट्स व जेएनएस कालेज के विधि विभाग का स्टाफएवं विद्यार्थी सहित तहसील विधिक सेवा समिति का स्टाफरैली में सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर मुख्य रूप से न्यायालय शुजालपुर से चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शरद कुमार गुप्त, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश हरीश वानवंशी, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी धीरज कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विष्णु दुबे, एसडीएम प्रकाश कास्बे, अध्यक्ष अभिभाषक संघ अजय पाल सिंह जादौन, अधिवक्ता जितेंद्र गुरेनिया एवं मांगीलाल परिहार विधि महाविद्यालय से श्रीमती ऋतु त्रिवेदी, संजय मिश्रा एवं थाना शुजालपुर मण्डी एवं थाना शुजालपुर सिटी के थाना प्रभारी सहित पुलिस बल उपस्थित रहा।

डॉ. लीला जोशी पदमश्री सम्मान से हुई सम्मानित

माही की गूंज, रतलाम।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रतलाम की ख्यात महिला चिकित्सक डॉ. लीला जोशी को पद्मश्री सम्मान प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि, डॉ. लीला जोशी द्वारा 50 वर्षों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में एनीमियामुक्त मुहिम संचालित की गई है। पद्मश्री डॉ. जोशी ने आदिवासी महिलाओं के लिए भी बेहतर कार्य किए हैं। उन्होंने आयरन की कमी से जूझती आदिवासी महिलाओं को सेहतमंद बनाने के लिए कैंप लगाए और मुफ्त इलाज किया। उनकी उपलब्धियों के कारण भारत सरकार ने 83 वर्षीय डॉ. लीला जोशी को पद्मश्री सम्मान प्रदान किया है।

15 नवंबर को जनजाति महाकुंभ को लेकर जिला भाजपा एवं भाजपा मंडल झाबुआ की अंबा पैलेस पर विषेष बैठक संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मप्र की राजधानी भोपाल में जनजाति समाज का महाकुंभ हो रहा है। जिसमें देष के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मप्र के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान सहित कई ख्यातनाम राजनेता शिरकत करेंगे। जिसमें झाबुआ जिले से भी हजारों की संख्या में भाजपा एवं अजजा मोर्चा के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं के साथ जनजाति समाज के लोगों के सम्मिलित होने हेतु लगातार बैठकों का आयोजन जिला स्तर पर किया जा रहा है।

जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नाहर ने बताया कि इसी क्रम में जिला भाजपा एवं भाजपा मंडल झाबुआ द्वारा महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन 9 नवंबर, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री एवं पूर्व विधायक पेटलावद निर्मला भूरिया, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश शर्मा एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दौलत भावसार और कार्यक्रम प्रभारी तथा पूर्व विधायक झाबुआ शांतिलाल बिलवाल उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक ने की। प्रारंभ में सभी अतिथियों ने भारत माता, पं दिनदयाल उपाध्याय एवं श्यामप्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया। बाद अतिथियों का भाजपा जिला उपाध्यक्ष भानू भूरिया, हरूसिंह भूरिया, बहादुरसिंह हटिला, बलवंत मेड़ा, गोविन्द अजनार, दिलीप नलवाया, पूर्व नपा अध्यक्ष धनसिंह बारिया, सुरसिंह हटिला, अमित वसुनिया, देवझिरी मंडल अध्यक्ष सुरभानसिंह गुंडिया, भारत मेड़ा, किर्तीष राठौर, ज्ञानसिंह मोरी, सुमेरसिंह डावर, धुमसिंह निनामा आदि ने किया। स्वागत उद्बोधन भाजपा अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष अजमेरसिंह भूरिया ने दिया। इस अवसर पर विषेष रूप से महिलाओं में सुनिता अजनार एवं सुनिता मसानिया भी उपस्थित रहीं।

भोपाल में जमेगा महाकुंभ

भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी प्रियंक तिवारी ने जानकारी दी कि इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कार्यक्रम प्रभारी एवं पूर्व विधायक झाबुआ श्री बिलवाल ने कहा कि 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस पर भोपाल में होने वाले महा-समारोह में झाबुआ जिले से भी शत-प्रतिषत जनजाति समाज के लोगों को सहभागिता करना है। प्रत्येक विधानसभा से 5-5 हजार कार्यकर्ता एवं समाजजन सम्मिलित होंगे। जिनके लिए वाहन, ठहरने एवं भोपाल आदि की व्यवस्था पार्टी की ओर से की जाएगी। साथ ही सभी ग्रामीणजनों को अपनी परंपरागत वेषभूषा और ढोल-मांदल के साथ सम्मिलित होना है। पूर्व राज्यमंत्री एवं विधायक सुश्री भूरिया ने कहा कि भोपाल जाकर हमे पूरे प्रदेष में झाबुआ जिले की शक्ति और समाज की एकता का प्रदर्षन महाकुंभ में संस्कृति और परपंरा के साथ शामिल होकर करना है। यह महाकुंभ पूरे देष में इतिहास रहेगा, ऐसी उन्होंने आषा व्यक्त की।

केंद्र एवं मप्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दी

भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नायक ने इस दौरान मप्र और केंद्र सरकार की जनजाति समाज सहित सर्वहारा वर्ग के लिए चलाई जा रहीं महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी तथा इस महाकुंभ के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेष कार्यकारिणी सदस्य श्री शर्मा एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री भावसार ने भी अपने-अपने विचार रखे। यह बैठक करीब 2 घंटे तक चली। संचालन भाजपा जिला महामंत्री सोमसिंह सोलंकी ने किया एवं आभार भाजपा मंडल झाबुआ अध्यक्ष अंकुर पाठक ने माना।

15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल कार्यक्रम में तीनों विधानसभा से 5-5 हजार कार्यकर्ता होंगे सम्मिलित

कलेक्ट्रेट, मंडी परिसरों तथा पंजीयक कार्यालयों में भी हुई वैक्सीनेशन की व्यवस्था

माही की गूंज, रतलाम। कोरोना वैक्सीनेशन से कोई छूटे नहीं, कोई वंचित नहीं रहे। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देश पर जिले के कृषि उपज मंडी परिसरों में आने वाले किसानों को वैक्सीनेट करने के लिए स्थाई वैक्सीनेशन सेंटर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कलेक्ट्रेट परिसर में भी वैक्सीनेशन सेंटर बनाया गया है। जहां तैनात टीकाकरण दल कलेक्ट्रेट में आने वालों से वैक्सीन के संबंध में पूछताछ कर रहा है। जिनको वैक्सीन नहीं लगी उनको वैक्सीनेट किया जा रहा है। इसके अलावा जिला मुख्यालय स्थित पंजीयक कार्यालय तथा तहसीलों के उपपंजीयक कार्यालय परिसरों में भी रजिस्ट्री करवाने आने वाले व्यक्तियों को वैक्सीनेट करने के लिए वैक्सीनेशन दल तैनात किए गए हैं।

एसएनबीपी हॉकी प्रतियोगिता में जिले की टीम ने किया अच्छा प्रदर्शन

माही की गूंज, मंदसौर। पुणे में चल रही एसएनबीपी अंडर 16 प्रतियोगिता के लिए मंदसौर हॉकी फीडर सेंटर का आगाज हुआ। प्रतियोगिता 9 से 15 नवंबर 2021 तक पुणे में खेली जा रही है। मंदसौर का पहला मैच स्मार्ट हॉकी अकैडमी रायपुर के बीच खेला गया। जिसमें दोनों ही टीम का स्कोर 1-1 से बराबर रहा। टीम का अगला मैच आज सेल एकेडमी से होगा। उक्त जानकारी जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने देते हुए बताया कि, भारत की इस ख्याति प्राप्त प्रतियोगिता में बुलाए जाने पर खेल विभाग एवं हॉकी मंदसौर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है। ज्ञात रहे, यह प्रतियोगिता वर्षों से चली आ रही है और इसमें भारत की ख्यातनाम हॉकी अकैडमी को ही प्रतियोगिता हेतु आमंत्रित किया जाता है। टीम के साथ कोच के रूप में मंदसौर में पदस्थ खेलो इंडिया के प्रशिक्षक वैभव चौरसिया व कोच अविरल बरोलिया उपस्थित है। इस अवसर पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, कलेक्टर गौतम सिंह एवं जिला पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पांडे एवं सभी प्रशिक्षको ने अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए शुभकामनाएं दी।

5 अपराधी हुए जिलाबदर

माही की गूंज, मंदसौर। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट गौतम सिंह द्वारा म.प्र.राज्य लोक शांति एवं सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5(क)(ख) के तहत 5 आदतन अपराधी अनार ऊर्फ अनवर पिता शब्बीरखां मेवाती निवासी ग्राम दाऊदखेड़ी थाना वायड़ी नगर मंदसौर, शाहरूख पिता अनारखां मेवाती निवासी ग्राम दौलतपुरा थाना वायड़ी नगर मंदसौर, दशरथ पिता रतनलाल गुर्जर निवासी खेड़ाखदान थाना पिपलियामंडी, सुनील पिता किशनलाल बाली निवासी शामगढ़ थाना शामगढ़ एवं हरिसिंह पिता लालसिंह राजपूत निवासी संजय हिल्स मंदसौर थाना वायड़ी नगर मंदसौर को जिला बदर करने का आदेश जारी किया है। कलेक्टर श्री सिंह ने आदेशित किया है कि, ये जिला बदर अवधि में मंदसौर जिले की राजस्व सीमा के साथ ही नीमच, रतलाम, उज्जैन, आगर मालवा एवं शाजापुर जिले की राजस्व सीमा में बगैर अनुमति के प्रवेश नहीं कर सकेगा।

शासन के विभिन्न विभागों एवं गैर सरकारी संगठनों द्वारा हजारों हितग्राहियों को किया गया लाभांवित

उदपुरा में मेगा विधिक साक्षरता शिविर सम्पन्न

माही की गूंज, मंदसौर।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अनुक्रम में प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर विजय कुमार पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं कलेक्टर जिला मंदसौर गोतम सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में स्थान ग्राम उदपुरा में वृहद् विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

उपरोक्त मेगा विधिक साक्षरता शिविर का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार पाण्डेय, कलेक्टर गौतम सिंह, विशेष न्यायाधीश अनीष कुमार मिश्रा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मो. रईस खान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अमित कुमार वर्मा, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रघुवीरसिंह पंवार, जनपद पंचायत अध्?यक्ष शांतिलाल मालवीय, एसडीएम बिहारीसिंह, सीईओ जनपद पंचायत पीसी वर्मा एवं ग्राम पंचायत उदपुरा सरपंच श्रीमती कुसुम नागर द्वारा माँ सरस्वती एवं महात्मा गांधी के चित्र पर दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण कर किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विजय कुमार पाण्डेय ने आपने उद्बोधन में बताया कि, आजादी प्राप्त होने के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्ययोजना अनुरूप एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार सम्पूर्ण भारतवर्ष में विधिक जागरूकता शिविरों, रैलियों एवं विभिन्न शासकिय एजेंसियों एवं एनजीओ, पैनल लॉयर्स, पैरालीगल वालेंटियर्स एवं प्रचार-प्रसार रथ के माध्यम से विधियों का एवं नालसा व सालसा तथा केन्द्र व राज्य शासन की योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्ययोजना अनुरूप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। आमजन तक उनके अधिकारों का एवं शासन की योजनाओं का प्रचार-प्रसार होने के साथ-साथ आमजन को लाभांवित किया जा सके। साथ ही विधिक जागरूकता पर भी उनमें प्रसार हो इस मंशा व उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले भर में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

इस अवसर पर कलेक्टर गौतमसिंह ने विशेष रूप से आमजन से अपील की कि, विशेष रूप से टीकाकरण कार्यक्रम चल रहा है उसके अंतर्गत कल्पित तीसरी लहर से बचने के लिए टीकाकरण अवश्य करायें एवं स्वयं व अपने शहर को कोरोना मुक्त बनाये रखने में सहयोग प्रदान करें। इसके अतिरिक्त श्री सिंह द्वारा बताया गया कि, शासन की ओर से संचालित विभिन्न योजना जो आमजन के कल्याण हेतु बनी है उन योजनाओं को आमजन तक पहुंचाकर हितग्राहियों को उनका लाभ दिया जाना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। आमजन तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने के लिए हम दृढ़ संकल्पित है।

शिविर के दौरान विशेष न्यायाधीश श्री अनीष कुमार मिश्रा द्वारा ग्रामवासियों को वर्तमान समय में कानून के प्रति सदैव सजग रहने हेतु आगृह किया और कहा कि, जब हम अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे तभी स्वयं, समाज व देश का विकास संभव हो सकेगा। साथ ही आयोजित शिविर में जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मो. रईस खान, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश संदीप शर्मा ने भी संबोधित किया।

शिविर में विभिन्न शासकीय विभागों, सामाजिक संस्थाओं, गैर सरकारी संगठनों द्वारा अपनी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु स्टॉल लगाए थे। जनपद पंचायत मंदसौर की ओर से आयोजित शिविर में संबल योजना के अंतर्गत 15 हितग्राहियों को 32 लाख रुपए स्वीकृत किए गए, 16 हितग्राहियों को 600 रुपए प्रतिमाह की पेंशन स्वीकृत की गई व फ्लोद्यान योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को 14 लाख 15 हजार रुपए एवं 17 हितग्राहियों को भूखण्ड आवास के पट्टे वितरित किए गए। साथ ही 4 दिव्यांग लोगों को ट्रायसायकल, 2 को बैसाखी एवं 2 लोगों को व्हील चेयर भी वितरित की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा द्वारा लाड़ली लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, उषाकिरण योजना एवं स्वागतम् लक्ष्मी योजना अंतर्गत कुल 31 लोगों को लाभ प्रदान किया जाकर राशि रू. 12 लाख 30 हजार की सहायता प्रदान की गई। शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 6 से 10 वी तक के कुल 173 विद्यार्थीगण को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर के दौरान कुल 40 व्यक्तियों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया। राजस्व विभाग की ओर से कुल 328 व्यक्तियों को भूमि स्वामी अधिकारी पत्र, जाति प्रमाण-पत्र एवं खसरा खतौनी वितरित कर लाभ प्रदान किया गया। खाद्य विभाग एवं संस्था मर्यादित उदपुरा की ओर से निःशुल्क गरीब कल्याण अन्न योजना अंतर्गत कुल 100 व्यक्तियों को उक्त योजना से लाभांवित किया गया। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग की ओर से तिल्हन, दल्हन विकास योजना अंतर्गत कुल 29 लोगों को लाभ प्रदान किया गया। शिविर में राधाकृष्ण ग्रुप व मुस्लिम महासभा द्वारा कुल 118 व्यक्तियों के ई-श्रमिक कार्ड व आयुष्मान कार्ड तैयार किए गए। कैलाश सत्यार्थी एवं बचपन बचाओं आंदोलन फाउण्डेशन द्वारा लगभग एक हजार व्यक्तियों को मास्क वितरित किए गए। विक्रांत आई हॉस्पिटल की ओर से 150 व्यक्तियों का नेत्र परीक्षण तथा कुरेशी डेंटल क्लीनिक की ओर से 14 व्यक्तियों का दन्त परीक्षण किया गया। श्रीजी नर्सिंग कॉलेज द्वारा 300 बच्चों में से प्रत्येक को 3 कॉपी व एक पेन वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त मेगा विधिक साक्षरता शिविर में पुलिस थाना नई आबादी, महिला पुलिस थाना, लीड बैंक (सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया) ग्रामीण आजीविका मिशन, भारतीय डाक विभाग, भारतीय रेडक्रॉस विभाग, इत्यादि विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मिलित होकर उपस्थित हितग्राहियों के आवेदन पत्रों का निराकरण कर योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। कुछ व्यक्तियां द्वारा अपनी मांग के अनुरूप आवेदन पत्र प्रस्तुत किए, जिनका उचित निराकरण किए जाने हेतु संबंधित विभाग को अग्रेषित कर उचित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। शिविर स्थल शासकिय माद्यामिक विद्यालय परिसर में कुल 25 प्लांट का वृक्षारोपण किया गया, जिसके रखरखाव संबंधी जानकारी ग्राम पंचायत उदपुरा को दी गई।

न्यूज ब्रीफ

भारत स्काउट गाईड ने स्थापना दिवस मनाया

माही की गूंज, अलीराजपुर। भारत स्काउट एवं गाईड राज्य मुख्यालय भोपाल के कार्यक्रमानुसार स्काउट गाईड जिला अलीराजपुर द्वारा स्काउट गाईड स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मनोज कुमार पुष्प को जिला सचिव बद्रीलाल भाटोदरा, हेमंत सिसोदिया एवं श्रीमती प्रीतिका राठौर एवं उनकी टीम द्वारा स्थापना दिवस स्टीकर व स्कार्प लगाकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन व प्रभारी सहायक आयुक्त स्काउट गाईड जिला कमिश्नर जानकी यादव एवं सोण्डवा के एसडीएम देवकीनंदन सिंह का भी स्टीकर लगाकर व स्कार्प पहनाकर सम्मान किया गया। जिला मुख्यालय पर सोमवार को भारत स्काउट गाईड का 71वॉ स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में लॉर्ड बेडेन पावेल के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर स्काउट गाईड के क्षैत्र में उनके योगदान को स्काउट गाईड के वरिष्ठ जिला प्रषिक्षण आयुक्त नसीम मकरानी द्वारा विस्तृत रूप से बतलाया गया। जिले की ओर से नसीम मकरानी का भी स्कार्प व स्टीकर लगाकर सम्मान किया गया। स्काउट गाईड स्थापना दिवस के इस कार्यक्रम में अभयसिंह देवल, मनोज चौंगड़, अषोक प्रजापति, हेमंत सिसोदिया, श्रीमती बृजकुमारी सोनी एवं श्रीमती रूपाली नायक-उदयगढ़ का विशेष योगदान रहा।

अधिग्रहित जमीन पर बने ढाबे को हटाया

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देशन में एसडीएम एवं एनवीडीए के पदाधिकारियों ने ग्राम सेगांव में नहर हेतु अधिग्रहित जमीन पर अतिक्रमण कर बनाए गए 6 हजार 650 वर्ग फीट के ढाबे को हटाकर जमीन को मुक्त कराया है। जमीन का अतिक्रमण मुक्त होने से नहर निर्माण का कार्य पूर्ण होकर किसानों को पानी की सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

बता दे कि, इंदिरा सागर परियोजना के तहत नहर निर्माण हेतु अधिग्रहित की हुई जमीन पर अवैध रूप से कलाबाई पिता चम्पालाल द्वारा कब्जा कर ढाबे का संचालन किया जा रहा था। इस जमीन का पूर्व में अधिग्रहण किया जाकर मुआवजा/अवार्ड भी दिया जा चुका है, अवैध रूप से ढाबे का निर्माण किया था।

रबी फसलों हेतु किसान भाई उर्वरकों का उठाव करें- उप संचालक कृषि

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में रबी फसलों की बोनी की जा रही है। रबी फसलों से अच्छा उत्पादन लेने के लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सिफारिश की गई मात्रा अनुसार उर्वरकों का उपयोग किया जाना भी आवश्यक है। इसके अलावा किसानों को मिट्टी परीक्षण के आधार पर स्वाईल हेल्थ कार्ड भी जारी किए गए हैं। अतः उसमें दी गई सिफारिश अनुसार उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें। उप संचालक कृषि श्री जमरा से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्तमान में जिले की सहकारी क्षेत्र में यूरिया 5 हजार 148 मेट्रिक टन, डीएपी 2 हजार 570 मेट्रिक टन, एनपीके 935 मेट्रिक टन, पोटाश 557 में इन सुपर फॉस्फेट एम हजार 652 मेट्रिक टन व निजी डीलरों की दुकानों पर 4 हजार 220 मेट्रिक टन, डीएपी 958 मेट्रिक टन, एनपीके 728 मेट्रिक टन, पोटाश 824 मेट्रिक टन, सुपर फॉस्फेट 4 हजार 412, मेटल अमोनियम सल्फेट 115 मेट्रिक टन इस प्रकार कुल 22 हजार 119 मेट्रिक टन की व्यवस्था की गई है।

यह देखा जा रहा है कि, किसानों द्वारा समितियों से इन उर्वरकों को उठाव बहुत कम किया जा रहा है। फलस्वरूप आगामी महिनों में जिले को कम उर्वरक मिलेगा। अतः जिले के किसान भाईयों से अपील की जा रही है कि, जो किसान सहकारी समितियों के सदस्य है वे अपनी आवश्यकता का उर्वरक समितियों से उठाव कर लें एवं जो किसान समितियों में ओवरड्यू है वे अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क कर फिलहाल संबंधित सहकारी संस्था के सदस्य बनें व प्रायवेट डीलर्स से उर्वरक उठाव करें, जिससे नियमित आपूर्ति बनी रहे।

टीकाकरण महाअभियान में शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने का संकल्प

टीकाकरण अभियान के लिए कलेक्टर का मेराथन भ्रमण

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा बुधवार 10 नवंबर को टीकाकरण महाअभियान के शुभारंभ में प्रातः 9 बजे जिला अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें जिला अधिकारियों को निर्देश दिए की आज वैक्शीनेशन सेंटर पर जाकर शत प्रतिशत टीकाकरण करवाने के लिए लोगों को जागरूक करें एवं वैक्सीनेशन के प्रथम डोज एवं द्वितीय डोज के लिए अपने सार्थक प्रयास करें। बैठक के पश्चात सभी जिला अधिकारी वैक्सीनेशन सेंटर के लिए रवाना हुए।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा प्रातः ग्राम ढेकल बडी के बाजार में लोगों को वैक्सीनेशन के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं उन्हे प्रथम डोज एवं सेकण्ड डोज लगाने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात राणापुर वैक्सीनेशन सेंटर का अवलोकन किया एवं यहां पर किए जा रहे वैक्सीनेशन की धिमी गति के लिए अप्रसन्नता जाहिर की एवं निर्देश दिए की लोगों को जागरूक कर शत प्रतिशत टीकाकरण करवाए। इसके पश्चात राणापुर तालाब का निरीक्षण किया एवं यहां पर तालाब में हो रही गंदगी को साफ करवाने के निर्देश दिए एवं नगर परिषद कार्यालय का जायजा लिया। यहां पर फायर ब्रिगेड की कार्यप्रणाली को देखा एवं निर्देश दिए की लगातार यहां पर मोकडिल करवाकर व्यवस्था दूरूस्त करें।

मिश्रा टीकाकरण केन्द्र ग्राम भोडली में चल रहे वैक्सीनेशन का जायजा लिया एवं आम लोगों से रूबरू चर्चा की एवं टीकाकरण के लिए लोगों को प्रेरित किया। इसके पश्चात ग्राम हट्टीपूरा में वैक्सीनेशन सेंटर का अवलोकन किया एवं निर्देश दिए की यहां पर शत प्रतिशत टीकाकरण हो जाए। इसके पश्चात श्री मिश्रा ग्राम ढोल्यावड वैक्सीनेशन सेंटर का अवलोकन किया एवं यहां पर ग्रामीणों से रूबरू चर्चा की इसके पश्चात ग्राम छापर खण्डा एवं ग्राम रजला के वैक्सीनेशन सेंटर का अवलोकन किया एवं यहां पर शत प्रतिशत वैक्सीनेशन करवाए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एल.एन.गर्ग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत राणापुर ज्ञानसिंह मुजाल्दे, मुख्य नगरपालिका अधिकारी कमलेश गोले, नगर परिषद राणापुर के अध्यक्ष गोविंद अजनार, नायब तहसीलदार राणापुर पलकेश परमार, बीएमओ राणापुर डॉ. जी.एस.चौहान आदि उपस्थित थे।

सांसद ट्रॉफी - फर्स्ट एम. पी. स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस चेम्पीयनशिप-2021 का भव्य शुभारंभ हुआ

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला टेबल टेनिस एसोसिएशन झाबुआ के तत्वाधान मे आज भव्य शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर सोमेश मिश्रा, विशेष अतिथि जिला पंचायत झाबुआ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, जयेश आचार्य मध्यप्रदेश टेबल टेनिस संगठन के महासचिव सुश्री रिंकु आर्चाय अंतराष्ट्रीय खिलाडी की गरिमामय उपस्थिति में दिप प्रज्जवलित कर भव्य शुभारंभ किया गया। इस आयोजन में स्वागत भाषण जितेन्द्रसिंह सोलंकी, सचिव जिला टेबल टेनिस एसोशिऐशन के द्वारा प्रस्तुत किया गया। विशेष उद्बोधन जयेश आचार्य एवं रिंकु आचार्य के द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा अपना उद्बोधन में कहा कि पूर्व में कोरोना के कारण सभी गतिविधियां बंद थी। अब सभी चीज नार्मल हो चूकी है। सभी लोग स्पोर्टस की ओर बढ़ रहे हैं बच्चे मन लगाकर खेले और जीतोड मेहनत करें एवं अपना सर्वोच्च दे। अब स्पोर्टस केा केरियर के रूप में देखा जाता है।

इस शुभारंभ के अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, विशेष अतिथि जिला पंचायत झाबुआ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, जयेश आचार्य मध्यप्रदेश टेबल टेनिस संगठन के महासचिव, सुश्री रिंकु आर्चाय अंतराष्ट्रीय खिलाडी के द्वारा ग्राउण्ड में टेबल टेनिस खेलकर खिलाडियों का उत्साहवर्धन किया। अंतराष्ट्रीय खिलाडी को ग्राउण्ड पर खेलते देख सभी रोमांचित थे।

10, 11 एवं 12 नवंबर 2021 को गैल टाउनशिप के कम्यूनीटी हाल मे 3 दिवसीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन एवं गेल के द्वारा भी अपना सहयोग दे रहे हैं। इस आयोजन में मध्य प्रदेश के लगभग 200 खिलाड़ी भाग लेंगे। जिले के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जिसमें अन्य राज्यों के प्रतिनिधि एवं खिलाडी उपस्थित रहेंगे। खिलाडियो को भोजन एवं ठहरने के लिये अम्बा पेलेस मे व्यवस्था की जा रही है। प्रतियोगीता के पहले मध्य प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के सचिव श्री जयेश आचार्य एवं टूर्नामेंट डायरेक्टर श्री गोरव पटेल विशेष रूप से झाबुआ आ रहे हैं ताकि आयोजन समिति से चर्चा करके प्रतियोगिता को अन्तिम रूप दिया जा सके। खिलाड़ीयों को 75 हजार रुपये का नगद इनाम ट्रॉफीयाँ एवं रैंकिंग प्लयेर्स को आने जाने का भाडा दिया जायेगा। टेबल टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजेश सिंह गौतम एवं सचिव जितेंद्र सिंह सोलंकी एवं गेल टाउनसिप के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष त्रिवेदी द्वारा किया गया।

प्रारम्भ हुआ विश्व पूज्य गुरुदेव श्रीमद विजय राजेंद्र सुरीश्वरजी की तीन दिवसीय भक्ति आराधना महोत्सव

माही की गूंज, झाबुआ। स्थानीय श्री ऋषभदेव बावन जीनालय मे चातुर्मास हेतु विराजित पूज्य मुनिराज श्री रजतचन्द्र विजयजी म सा और पूज्य मुनिराज श्री जीतचन्द्र विजयजी म सा की पावन नीश्रा मे झाबुआ मे पहली बार गुरु श्रद्धा भक्ति आस्था की ज्योत को प्रकट करने वाला अद्भुत आयोजन केसर का उपयोग सर्व औषधि का उपयोग शंख के द्वारा पूज्य मुनिराज श्री रजत चन्द्र विजयजी द्वारा मंत्रोच्चार के साथ संगीतमयमहाअभिषेक सुबह 7 बजे से 'सप्तमी' बुधवार के दिन मंत्रोच्चार के साथ मंगलमय आयोजन हुआ। इस आयोजन के लाभार्थी श्रीमती मनोरमाबेन न्यायसिंधुजी कोठारी परिवार झाबुआ थे। उल्लेख हे की बुधवार को तीन दिवसीय गुरुदेव भक्ति आराधना महोत्सव के प्रथम दिवस अन्तर्गत यह आयोजन हुआ।

जेल बगीचा स्थित बालाजी धाम पर हनुमानजी को 56 भोग लगाकर महाआरती और महाप्रसादी का किया गया आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर लिया लाभ

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के जेल बगीचा स्थित बालाजी धाम पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लाभ पंचमी के अवसर पर 9 नवंबर, मंगलवार संध्याकाल 7.30 बजे हनुमानजी को छप्पन भोग लगाकर महाआरती एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। जिसमे बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर आरती बाद प्रसादी ग्रहण की।

जानकारी देते हुए मंदिर के सेवक पं. पुष्पेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रातःकाल 7 बजे मंदिर में हनुमानजी का विषेष श्रृंगार कर आरती बाद पूरे मंदिर पर सज्जा की गई। शाम 7 बजे मंदिर समिति की ओर से अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों के 56 छप्पन भोग लाकर बालाजी को अर्पण किए गए। बाद महाआरती कर भोग का प्रसाद सभी भक्तजनों को वितरित किया गया। दौरान मंदिर में विष्व मंगल हनुमानजी के जयकारे भी गूंजायमान हुए। उक्त आयोजन में विषेष रूप से वरिष्ठ समाजसेवी अषोक शर्मा के साथ मंदिर से जुड़े वरिष्ठ सदस्य राजेन्द्र शर्मा, मनोज जैन, पियूष पंवार, रानी शर्मा, कोमल भारती, शैलेन्द्र शर्मा, निलेष भारती आदि ने उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाने में विषेष इस सहयोग प्रदान किया गया।

हाईस्कूल की जमीन पर बना अवैध मकान तोड़ा

रतलाम प्रशासन की अतिक्रमण के विरुद्ध जारी है लगातार कार्यवाही

माही की गूंज ,रतलाम।

रतलाम प्रशासन की अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार मुहिम जारी है एक ओर कार्यवाही करते हुए रतलाम प्रशासन ने अवैध अतिक्रमण से स्कूल की भूमि को मुक्त करवाया। जिले के ग्राम सेजवाता में हाइस्कूल की जमीन पर एक व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण करके बनाया गया दो मंजिला मकान प्रसाशन ने तोड़ दिया। कार्यवाही में नायाब तहसीलदार सहित अन्य सरकारी कर्मचारी मौजूद रहे। सेजवाता में एकीकृत हाई स्कूल है। यहां बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए जमीन का सीमांकन किया तो हाइस्कूल की 2000 स्केवयर फीट से ज्यादा जमीन पर अतिक्रमण मिला। यह अतिक्रमण सोहनसिंह डाबी ने किया ओर दो मंजिला मकान बना लिया था। प्रसाशन ने अतिक्रमणकर्ता को नोटिस जारी किया था। वह कोर्ट में स्टे के लिए गया था लेकिन नही मिला।

भौतिकी के क्षेत्र मे रोजगार के अवसर

माही की गूंज, खरगौन।

अलुमिनि असोसिएसन ऑफ फिजिक्स केन्द्रीय विद्यालय के पवन पाटीदार द्वारा गुगल मिट के माध्यम से शा. स्नातकोत्तर महा. के यूजी अंतिम वर्ष/पीजी के विद्यार्थियों को भौतिकी में केरियर के अवसर में विषय पर व्याख्यान दिया। श्री पाटीदार ने सर्वप्रथम भौतिक शास्त्र की विभिन्न शाखाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके पश्चात भौतिक शास्त्र में उच्च स्तर पर कार्य करने के लिए उन्होंने बताया कि, सर्वप्रथम सीएसआईआर द्वारा आयोजित होने वाली एनईटी की परीक्षा उत्तीर्ण करके हमारे देश की किसी भी संस्थानों आईआईएससी, आईआईएसईआरएस, एनआईएसईआर, आईआईटी, एनआईटी या केन्द्रीय विश्व विद्यालयों से पीएचडी कर सकते है। वर्तमान में हमारे देश में 23 आईआईटी, 31 एनआईटीएस और 54 केन्द्रीय विश्वविद्यालय है।

उन्होंने आगे बताया कि, हमारे देश में विज्ञान के क्षेत्र में बहुत अधिक सम्भावनाएं है कि जैसे रमण प्रभाव की खोज डॉ. सीवी रमण ने की, लेकिन इसका उपकरण हमें जापान से मंगवाना पड़ता है। श्री पाटीदार ने विद्यार्थियों को बताया कि, सीएसआईआर से जेआरएफकरने के पश्चात 25 हजार सें 35 हजार प्रतिमाह फेलोसिप भी मिलती है। जिससे निर्धन वर्ग के विद्यार्थियों को काफी राहत मिलती है। एसटी/एससी वर्ग के विद्यार्थियों के लियें राजीव गॉधी राष्ट्रीय फेलोसिप (आरजीएनएफ) पीएचडी प्रोग्राम के लिये मिलती है

पीएचडी प्रोग्राम के लिए अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को मोलाना आजाद राष्ट्रीय फेलोसिप मिलती है। वहीं इसरो, समय-समय पर आईएसएटी के माध्यम से परीक्षा करवाता है, जिसमें परीक्षार्थी भाग लेकर स्पेस फिजिक्स में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जिन विद्यार्थियों को विदेशों में अपना केरियर बनाना है तो विद्यार्थियों को वहॉ की विशिष्ट परीक्षाओं में शामिल होना पड़ता है। जैसे- यूएसए में जीआरई और टीओईएफआई परीक्षा, यूके में आपकों आईईएलटीएस परीक्षा क्लीयर करनी होगी। जर्मनी में कोई परीक्षा नहीं ली जाती है, केवल विद्यार्थी कम से कम दो प्रोफेसरों की सिफारिस चाहिए होती है। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो. ऐश्वर्या दिलावरे एवं प्रो. अमिका बिरले ने किया।

जिले की तीन दुकानों अमानक पाए गए बीजों के नमूने

माही की गूंज, बड़वानी।

कृषि आदान गुण नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले के विभिन्न बीज दुकानों से जिला निरीक्षण दल एवं निरीक्षक वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों द्वारा बीज के 236 नमूने प्राप्त कर परीक्षण हेतु में भेजे गए थे। जिनमें से 221 नमूनों के परिणाम प्राप्त हो चुके है। प्राप्त परिणामों में 218 मानक एवं 3 अमानक पाए गए है।

उप संचालक कृषि श्री जमरा से प्राप्त जानकारी अनुसार आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था पलसूद, मेसर्स योगेश एग्रॉ एजेन्सी सेंधवा तथा महेश गुप्ता ग्राम ठान के विक्रताओं के नमूने अमानक पाए गए। उन्होने बताया कि, मेसर्स योगेश एग्रो एजेन्सी सेंधवा दुकान से मक्का बीज का जो नमूना लिया गया था, उसमें 4 प्रतिशत अंकुरण कम पाई गई। महेश गुप्ता ग्राम ठान बीज अवैध भण्डारण दुकान से मक्का बीज नमुना लिया गया था, जिसमें 17 प्रतिशत अंकुरण कम पाई गई। आदिम जाति सेवा संस्था पलसूद से कपास बीज का जो नमूना लिया गया था, जिसमें 6 प्रतिशत अंकुरण कम पाई गई।

उक्त दुकानदारों के बीज नमूने अमानक पाये जाने पर विभाग द्वारा समस्त लॉट्स को जिले में विक्रय हेतु प्रतिबंधित किया जाकर संबंधित समिति प्रबंधक व निजी विक्रेताओं को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए थे। कारण बताओ सूचना पत्र का जवाब संतोषप्रद प्राप्त न होने पर एक निजी विक्रेता का बीज लायसेंस निलंबित किया गया। साथ ही अवैध भण्डारण के कारण महेश पिता मिश्रीलाल गुप्ता ग्राम ठान के विरुद्ध पुलिस थाना जुलवानिया में एफआईआर दर्ज करवाई गई। रबी वर्ष 2021-22 मौसम में अब तक 15 बीज नमूने लिये जाकर परीक्षण हेतु भेज दिए गए है। अमानक प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिजली पोल तथा तारों से लिपटी हरी बेल से कोई अप्रिय घटना न हो जाए

माही की गूंज, आम्बुआ।

बिजली विभाग बिजली तारों के प्रति हमेशा सजग रहती आई है मेंटेनेंस के तहत ऐसे हरे पेड़-पौधों तथा उनकी टहनियां को इसलिए काट-छांट देते हैं ताकि यह शाखाएं तारो पर न गिरे। इसके बावजूद एक हरी-भरी बेल (लता) खंबे तथा तारों पर फैल रही है जिससे भविष्य में कोई अप्रिय घटना भी घटित होने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

आम्बुआ कस्बे से बाहर आम्बुआ- जोबट तिराहे के पास स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पीछे स्थित बिजली की हैवी लाइन के खंभे तथा तारों पर वर्षा काल में एक हरी बेल (लता) ऊपर तक चढ़ रही है, जो कि खंबे के साथ-साथ तारों को भी छू रही है। यह खंबा बिजली विभाग की नजर से क्यों अछूता है यह चर्चा का विषय है। हरी बेल से नीचे तक करंट फैल सकता है। कोई जानवर इसे खाने हेतु खंबे के पास जा सकता है। विद्युत लाइन के नीचे तथा आस-पास यात्री प्रतिक्षालय, भोजनालय, चाय नाश्ते की दुकान, मोटरसाइकिल मैकेनिक की दुकान आदि है। यदि कोई हादसा होता है तो इन्हें तथा यहां उपस्थित लोगों को हानि हो सकती है। दुकानदारों की मांग है कि बिजली विभाग इस बेल को तत्काल निकालकर भविष्य में होने वाली दुर्घटना की आशंका का समाधान करें।

सहायक यंत्री, उपयंत्री, रोजगार सहायक और सरपंच को शोकाज नोटिस जारी

जांच दल के प्रतिवेदन पर हुई कार्रवाई शुरू, सरपंच-सचिव के विरुद्ध धारा 40 और 92 की कार्रवाई प्रस्तावित

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्राम पंचायत बामनिया के काजलीया फलिये में बने मनरेगा योजना अंतर्गत 8 लाख 40 हजार की लागत से दो वर्ष पूर्व बने निस्तार तालाब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया था और बनने के बाद पहली ही बारिश में फूट जाने के दो साल बाद गूंज की लगातार पहल के बाद अधिकारीयो ने मामले के सूद ली और जिला कलेक्टर के निर्देश पर जिला मनरेगा अधिकारी के नेतृत्व में जांच दल ने मौके पर पहुँच कर कार्य की जांच की जिसमे भारी लापरवाही और घटिया निर्माण की पोल खुल कर सामने आ गई। हालांकि ग्राम पंचायत सरपंच और सत्तापक्षीय नेताओं द्वारा मामले को लगातार रफ़ा-दफ़ा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था, जिसके चलते मामले को दबाया जा रहा था। गूंज ने मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जिसके बाद अब कही जाकर मामले से जुड़े सभी पक्षो को शोकाज (कारण बताओ) नोटिस जारी किया गया है।

सहायक यंत्री , उपयंत्री , रोजगार सहायक और सरपंच को शोकाज नोटिस जारी

भ्रष्टचार के मामलो में अक्सर कोई बड़ी कार्रवाई नही होती जिसके कारण भ्रष्टों को रोक पाना मुश्किल हो रहा है, बामनिया पंचायत में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला रहा था। लगातार भ्रष्टाचार के मामले उजागर होने के बाद कोई कार्रवाई नही हो रही, लेकिन घटिया तालाब निर्माण मामले में जांच दल के प्रतिवेदन के बाद तत्कालीन सहायक यंत्री डीसी अग्रवाल, उपयंत्री हरचंद मैडा, सरपंच रामकन्या मखोड और रोजगार सहायक भेरूलाल मैडा को शोकाज नोटिस जारी किया गया है। 3 नवंबर को जारी नोटिस में सहायक यंत्री और उपयंत्री पर मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 में निहित प्रावधान के तहत कार्रवाई प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। नोटिस में बताया गया कि, आपके द्वारा कार्य मे गुणवत्ताहीन सामग्री और निर्माण कार्य का उपयोगहीन मूल्यांकन के लिए राशि वसूलने की कार्रवाई की जाएगी। 16 नवम्बर तक सहायक यंत्री और उपयंत्री को अपना पक्ष रखने को कहा गया है।

सरपंच रामकन्या मखोड पर धारा 40 की कार्रवाई का प्रस्ताव

कार्य करने वाली एजेंसी ग्राम पंचायत बामनिया की सरपंच रामकन्या मखोड को न्यायालय मुख्य कार्य पालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी की और से धारा 40 की कार्रवाई प्रस्तावित की गई है, मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40/92 में निहित ग्राम पंचायत सरपंच और रोजगार सहायक पर कार्रवाई करने और राशि वसूलने की कार्रवाई प्रस्तावित की गई हैं।

खबर का असर...

दो वर्ष से अधिकारियो को कर रहे थे गुमराह, भाजपा की जिला मंत्री पर संगठन करेगा कार्रवाई या देगा संरक्षण ?

ग्राम पंचायत बामनिया में वर्ष 2018 में बने तालाब के फूटने के बाद से पूरा मामला अधिकारियो के संज्ञान में था, लेकिन ग्राम पंचायत सरपंच अधिकारियो को लगातार दोबारा निर्माण कार्य करने का बोल कर गुमराह कर रहे थे। ग्राम पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड जो कि भाजपा की जिला मंत्री भी है ऐसे में उजागर हुए भ्रष्टचार ओर धारा 40 की कार्रवाई प्रस्तावित होने के बाद भाजपा संगठन जिला मंत्री पर कार्रवाई कर भाजपा के भ्रष्टाचार के विरुद्ध होने के दावे को पुख्ता करते है या संरक्षण देकर दावे को खोखला साबित करते हैं ये देखना होगा।

अधिकारियों की जिम्मेदारी बड़ी

मामला राजनीतिक रसूख से जुड़ा होने के कारण मामले की जांच कर अधिकारियो की जिम्मेदारी ओर बढ़ गई है, क्योकि इससे पूर्व भी विकास खण्ड की कुछ ग्राम पंचायतों में इस प्रकार की कार्रवाई कर चुके हैं लेकिन उनसे न तो किसी से वसुली हुई न ही प्रकरण दर्ज हुआ। उल्टा कार्रवाई के नाम पर वसुली के गंभीर आरोप भी लगातार लग रहे हैं।

हज यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

माही की गूंज, अलीराजपुर।

2022 की पवित्र हज यात्रा के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जिसमे 31 जनवरी 2022 तक कर सकते हैं। उक्त यात्रा के लिए 65 वर्ष आयु से ऊपर के लोग नहीं कर सकेंगे।

हाजी आरिफ बलोच एडवोकेट जिला हज कमेटी जिला अध्यक्ष अलीराजपुर ने बताया कि, हज यात्रा से एक महीने पहले तक कोरोना वैक्सीन की दोनों डोज लगवाना जरूरी होगा। साथ ही आवेदकों के पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2022 तक होना जरूरी है। बिना महरम (परिवार के पुरुष) के हज पर जाने वाली 45 से 65 साल तक की महिलाएं 4 से 5 के समूह में आवेदन कर सकेंगी। जिलाध्यक्ष ने बताया कि, सऊदी अरब सरकार की ओर से हज के लिए अंतिम गाइडलाइन आने तक आवेदन फॉर्म अस्थाई माने जाएंगे। अभी हज यात्रियों के मक्का और मदीना में ठहरने के लिए होटलों के चयन करने की तिथि की घोषणा नहीं की गई है।

ऑनलाइन होगा आवेदन

कोविड संक्रमण को देखते हुए इस बार हज कमेटी ने सिर्फऑनलाइन आवेदन ही मांगे हैं, इसके अलावा फॉर्म भरने का कोई दूसरा ऑप्शन नहीं होगा। सफर पर जाने की चाह जहां रखने वाले आजमीन को फीस भी अपना ऑनलाइन ही जमा करनी होगी। पहली किस्त 81 हजार रुपए तय की गई है। ऑप्शन के तौर पर हज कमेटी की मोबाइल एप पर भी सुविधा दी गई है, जिसके जरिए लोग मोबाइल पर ही अपना फॉर्म भर सकेंगे। एप में ट्यूटोरियल भी दिया हुआ है, जिसके जरिए पहली बार फॉर्म भरने वाला व्यक्ति भी आसानी से इसकी प्रॉसेस समझ सकेगा और अपने लिए फॉर्म भर लेगा।

यहाँ से मिलेगी फ्लाइट

हज यात्रा के लिए अहमदाबाद, बेंगलुरू, कोच्चि, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और श्रीनगर से फ्लाइट की बुकिंग की जा सकेगी।

सूफियाना-निस्बती कलामों से सजेगी सैयद मीर एवज अली सरकार की महफिल

बाबा का 95 वां दो दिवसीय उर्स मुबारक प्रारम्भ

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कौमी एकता के प्रतीक एवं गुलशने कादरीयत सैयदो सादात हजरत सैयद मीर एवज अली सरकार उर्फजमालुददीन चिश्ती र.अ. का दो दिवसीय 95 वां उर्से मुबारक आज से शुरू हो चूका है। इस अवसर पर सुफ्यिाना और निस्बती कलामो से मीर एवज अली सरकार की मेहफिल भी सजेगी। रात्री को (मेहफिले शमां) कव्वाली का भी शानदार आयोजन किया जाएगा, जिसमे प्रसिद्ध फनकार जुनेद सुलतानी शिकरत कर अपने मशहुर कलाम पेश करेंगे। उर्स मे मप्र, गुजरात, महाराष्ट्र राज्य सहित आस-पास के जिलो से बडी संख्या मे श्रद्वालुगण शिरकत करेंगे।

संदल-चादर जुलुस के साथ निकलेगा

आस्ताना हौज शरीफउर्स कमेटी के संरक्षक सैयद मोहसीन मियां एवं अध्यक्ष शाहनवाज निज़ामी ने बताया कि, प्रतिवर्षानुसार इस बार भी मीर एवज अली सरकार का उर्स हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएंगा। दो दिवसिय उर्स का आगाज संदल-चादर के साथ शुरु हो गया है। जामा मस्जिद चैक से 4 बजे संदल-चादर का जुलुस जामा मस्जिद चोक निकाला जाएंगा। आस्ताने औलिया पर संदल व चादर पेश की जाएगी। वही रात्री को स्थानिय जामा मस्जिद चौक पर (महफिले शमां) कव्वाली का आयोजन रखा गया गया है। जिसमे देश के मशहुर फनकार जुनेद सुल्तानी अपने निस्बती एवं सुफ्यिाना कलाम पेश करेंगें। शुक्रवार सुबह साढ़े 11 बजे आमजनो को सामुहिक रुप से न्याज प्रसादी वितरित की जाएंगी। उर्स की जेरे सरपरस्ती शहर काजी सैयद अफज़ल मियां एवं जेरे निगरानी सैयद आरीफ मियां, सैयद हनिफ मियां, सैयद जमालुदीन बाबा, सैयद अशफाक मियां करेंगे। उर्स कमेटी के सदस्यो ने आमजनो से उर्स मे तशरीफ लाकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

संकट मोचन दरबार में मनाया अन्नकूट महोत्सव

माही की गूंज, आम्बुआ।

दीपोत्सव के बाद पंचमी तिथि को आम्बुआ कस्बे के बाहर स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी लाभ पांचम के अवसर पर अन्नकूट महोत्सव मनाया गया।

संकट मोचन दरबार के पुजारी श्री श्री 1008 पुजारी चंद्रेश भारती ने बताया कि, दीपोत्सव के बाद मंदिरों में अन्नकूट उत्सव मनाए जाने की परंपरा है। वर्षा काल में कई मौसमी सब्जियों को भोजन में सम्मिलित नहीं किया जाता है जो कि दीपोत्सव के बाद इन सभी सब्जियों की मिश्रित सब्जी बनाकर भगवान को भोग लगाकर प्रसादी रूप में ग्रहण किया जाता है। इसके बाद प्रतिबंधित सब्जियों का उपयोग प्रारंभ हो जाता है। आम्बुआ कृषि उपज मंडी नाकें के समीप चौराहे पर बने संकट मोचन हनुमान मंदिर में श्री हनुमान जी को छप्पन पकवानों, विभिन्न प्रकार के मौसमी फलों, मिठाइयों, नमकीन आदि का भोग लगाया गया। महाआरती उपरांत प्रसादी का वितरण श्रद्धालुओं में किया गया, साथ ही भंडारे का आयोजन रखा गया जिसमें सैकड़ों भक्तों ने भोजन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कृषि उपज मंडी समिति अलीराजपुर के कार्यकर्ता, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों तथा रामायण मंडल सुंदरकांड समिति के सदस्यों का योगदान रहा।

श्री राम मंदिर में अन्नकूट महोत्सव संपन्न

दीपोत्सव के द्वितीय दिवस पड़वा के दिन आम्बुआ स्थित श्रीराम मंदिर में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी अन्नकुट महोत्सव मनाया गया। भगवान श्री राम दरबार में छप्पन भोग की प्रसादी के साथ साथ मिश्रित सब्जी तथा विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। तत्पश्चात पुजारी शंकर लाल पारीख ने महाआरती की तथा प्रसादी के रूप में छप्पन भोग के साथ अन्नकूट की सब्जी जो विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों के मिश्रण से तैयार होती है का वितरण किया गया।

बता दे कि, हिंदू समाज में वर्षा काल के चार माह तक विभिन्न तरह की सब्जियां खाने से परहेज किया जाता है। दीपोत्सव के बाद इन सभी सब्जियों को एक साथ बगैर लहसुन प्याज के बनाया जाता है जो कि बहुत ही स्वादिष्ट बनती है। अन्नकूट की सब्जी हेतु वर्ष भर इंतजार किया जाता है आम्बुआ श्री राम मंदिर की सुंदरकाण्ड रामायण समिति के पुजारी शंकर लाल पारीख, सुरेश वाणी, गोपाल राठौड़, गजेंद्र, नन्नू, सविजन, राकेश राठौड़, सत्यनारायण पडियार, आनंद वर्मा, वैभव जाधव, अरविंद ठाकुर आदि का सहयोग रहा।

अखिल भारतीय विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत विधिक मेगा केम्प का आयोजन अलीराजपुर तहसील के ग्राम कानपुर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरूण वर्मा की अध्यक्षता में दीप प्रज्जलित कर आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर मनोज पुष्प, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन सहित अन्य न्यायाधीश, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

उक्त अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरूणवर्मा ने संबोधित करते हुआ कहा कि, ग्रामीणों व अन्य कई लोगो को अपने अधिकारों की और शासन द्वारा संचालित कई योजनाओं की जानकारी नही होती, जिसके कारण कई लोगो को समय पर न्याय या अन्य किसी प्रकार की योजना का लाभ नहीं मिल पाता। इस विधिक जागरूकता षिविर का मुख्य उद्देष्य लोगो को न्याय के साथ-साथ शासन की योजनाओं की जानकारी देना है। जिससे अंतिम पंक्ति में बैठे लोगो को भी शासन की हितग्राही मूलक योजना का लाभ मिल सके।

कलेक्टर श्री पुष्प ने संबोधित करते हुआ कहा कि, कई लोगो को कानूनी हक पाने के लिए या शासन की योजना का लाभ लेने के लिए मुख्यालय या तहसील स्तर के कार्यालयों पर कई बार आना जाना पडता है, जिसमें काफी पैसा और समय खराब होता है। इस तरह के शिविर से ग्रामीणों को तुरंत और आसानी से कानूनी मदद और शासन की योजना का भी तुरंत लाभ मिल जाता है। श्री पुष्प ने कहा कि, विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय जिले की हर न्यायालय पर है, जिसकी जानकारी काफी कम लोगो को होती है। कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार की सहायता लेने के लिए विधिक प्राधिकरण के कार्यालय पर जा सकते है। अगर कोई व्यक्ति जिसकी आर्थिक स्थिति काफी कमजोर तथा न्याय के अधिकारों की जानकारी नहीं है, ऐसे व्यक्तियों की सहायता करना विधिक सेवा प्राधिकरण की प्राथमिकता है। कानूनी हक पाने के लिए आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों की आर्थिक सहायता भी शासन द्वारा की जाती है। इस अवसर पर श्री पुष्प ने ग्रामीणजनों से अपील करते हुए कहा कि, कोरोना टिके का द्वितीय डोज अवश्य लगावे। कोरोना महामारी से बचने का एकमात्र उपाय टिकाकरण है जिससे आप अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते है।

पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने संबोधित करते हुए कहा कि, पुलिस विभाग हर वर्ग के व्यक्तियों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। हर व्यक्ति को अपने हक अधिकार की जानकारी होनी चाहिए जिससे वह अपने और अपने समाज का हित कर सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती जैन ने संबोधित करते हुए कहा कि, ग्रामीण महिलाओं को समूह से ज्यादा से ज्यादा जुडना चाहिए समूह के माध्यम से आप लोग अपने परिवार और ग्राम का विकास ओर अच्छे तरीके से कर सकते है। उन्होने ग्रामीणों को बधाई देते हुए बताया कि, ग्राम कानपुर स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओडीएफहो चुका है।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कलेक्टर मनोज पुष्प, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती संस्कृति जैन द्वारा 18 ग्रामीणों को वनाधिकार पट्टे, 3 दिव्यांग को पेंशन स्वीकृत प्रमाण-पत्र, 8 बालिकाओं को लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण-पत्र, 5 कृषकों को बीज एवं सरपंच श्रीमती संगीता चौगड़ को ओडीएफ प्रमाण-पत्र वितरण किए।

शिक्षण संस्था का हेण्डपंप उबल रहा प्रदूषित पानी, बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है विपरीत असर

माही की गूंज, आम्बुआ।

''जल ही जीवन है'', ''स्वच्छ जल पिए'' आदि वाक्य कई बार शासन-प्रशासन की ओर से लिखे गए स्लोगनों में दिखाई पड़ जाता है। लेकिन जब स्वच्छ जल के स्थान पर बदबूदार प्रदूषित जल मिले वह भी देश के नौनिहालों को तो उनका स्वास्थ कैसे अच्छा रहेगा यह विचारणीय है। शासन-प्रशासन को इस और तत्काल ध्यान देना जरूरी माना जा रहा है।

उक्त समस्या आम्बुआ में संचालित प्राथमिक बालक तथा कन्या शासकीय स्कूल की है। बता दे कि, इस संस्था में पूर्व में खनन किया गया, हेण्डपंप में आस-पास की पेड़ों की जड़ें आ जाने से खराब हो जाने के बाद एक अन्य स्थान पर हेण्डपंप खनन किया गया। विगत वर्षों से यह हण्डपंप स्वच्छ जल प्रदाय कर रहा था मगर कोरोना काल में शिक्षण संस्था बंद रहने के कारण इसका उपयोग कम हुआ। शायद यही कारण है या कोई अन्य कारण से हेण्डपंप के पानी से बदबू आने लगी है। हेण्डपंप के पास ही पंचायत द्वारा एक सोखता गड्ढा खोदा जाकर चारों तरफ की दीवारें पक्की की गई। इस गड्ढे में हैंण्डपंप का पानी एकत्र हो रहा है। विगत

विधानसभा उपचुनाव के एक हफ्ते पूर्व किसी होटल व्यवसाई ने बचा हुआ मैदा, बेसन इस गड्ढे में डाल दिया, जो कि सड़ कर इतनी दुर्गंध देने लगा कि वहां खड़े रहना मुश्किल हो गया। इस समस्या की ओर पत्रकारों ने स्कूल तथा पंचायत का ध्यान आकर्षित किया तो पंचायत द्वारा गड्ढे में मिट्टी भरवा दी गई। जिससे गंदगी तथा सड़ा बेसन, मैदा भी दब गया। इसमें पानी मिलने से भी आगामी समय में पानी और अधिक प्रदूषित होने का खतरा बढ़ गया है।

संस्था में मध्यान्ह भोजन बनाने वाले स्व-सहायता समूह की महिला सदस्य श्रीमती शांतिबाई वर्मा तथा श्रीमती बसंती चौहान ने बताया कि, पानी बदबू मार रहा है पीने योग्य नहीं है, अभी मध्यान्ह भोजन नहीं बन रहा है यदि बनने लगेगा तो इसी पानी से बनाना पड़ेगा। अभी बच्चे यही बदबूदार पानी पीने को मजबूर है।

संस्था के प्रधान अध्यापक मुकाम सिंह डुडवे ने बताया कि, इस हेण्डपंप का पानी लंबे समय से खराब है पुराने हेण्डपंप का पानी अच्छा था मगर वह बंद पड़ा है। बदबूदार पानी पीने से भविष्य में बच्चे के स्वास्थ पर विपरीत असर पड़ सकता है। हम विभाग को अति शीघ्र जानकारी भेजने का प्रयास कर रहे हैं।

डिजल माफियाओं मे प्रशासन का डर नहीं पर माही की गूंज का है खौफ

पिटोल के सारे ठीकाने बंद, सारे माफियाओं ने मिलकर खजूरखो को बनाया अपना ठीकाना

प्रशासनिक गठजोड़ और राजनीतिक रसूख के चलते अब भी डटा है डीजल माफिया रामपाल

''चोर-चोर मौसेरे भाई की चोरों ने बनाई रीत'' डीजल माफियाओं ने बनाया सिंडिकेट

पिछले १५ दिनों से पिटोल के सारे अवैध डीजल के ठीकानों पर पसरा पड़ा है सन्नटा

माही की गूंज टीम के साथ संजय भटेवरा की रिर्पोट

झाबुआ। एक कहानी बड़ी मशहूर है, ''चोर-चोर मौसेरे भाई'' एक शहर में लोगों के घरों में बहुत चोरियां होती थी। दिन हो या रात, जब भी मौका मिलता चोर घरों में घुसकर जेवर, रुपया-पैसा और कीमती सामान चुराकर भाग जाते। कभी-कभी चोर पकड़े भी जाते थे। एक दिन एक चोर रंगे हाथों पकड़ा गया, सिपाहियों ने उसे जेल में बंद कर दिया। जेल में पहले से ही कुछ चोर बंद थे। उस नए चोर को देखकर वे चिल्लाने लगे अरे दीपू भैया तु भी यहां! फिर वह चोर अपने साथियों के गले मिलने लगा। यह देखकर सिपाही ने पूछा अबे क्या तुम एक-दूसरे को जानते हो...? तब एक चोर बोला 'हां जनाब यह हमारा मौसेरा भाई है'। कुछ दिनों बाद दो चोर एक घर में चोरी करते हुए पकड़े गए। सिपाहियों ने उन्हे भी जेल में बंद कर दिया। जेल में पहले से बंद चोरों ने उन्हे देखा तो चौंककर बोले, अरे रामू भैया, श्यामू भैया! आप भी यहां आ गए। इतना कहकर वे चोर उनके गले मिलने लगे। यह देखकर सिपाही फिर हैरान हो गया, सिपाही ने फिर से पूछा अब क्या तुम भी इन्हे जानते हो...? तब दोनों नए चोर बोले 'हां जनाब! ये हमारे मौसेरे भाई है'।

इस तरह जो भी चोर जेल में बंद किए जाते, वे एक-दूसरे को अपना मौसेरा भाई बताते, सिपाही ने यह बात थानेदार को बताई। थानेदार यह सुनकर हैरान हो गया और वह तुरंत चोरों के पास गया। थानेदार ने कड़कती आवाज में पूछा ''क्यों बे क्या यह सच बात है कि, तुम सब मौसेरे भाई हो''...? तब एक चोर आगे आया और बोला 'हां हुजूर! हम सच कह रहे है। हम सबका पेशा चोरी है। इसलिए हमारी बिरादरी एक है तो हम सब चोर आपस में मौसेरे भाई ही हुए न'' उस चोर ने समझाते हुए कहा। वहां खड़ा सिपाही ये सब बातें ध्यान से सुन रहा था, अचानक उसके मुंह से निकल पड़ा ''चोर-चोर मौसेरे भाई! चोरों ने यह रीत बनाई''।

यह कहानी इन दिनों जिले में डीजल माफियाओं पर खूब फीट बैठती नजर आ रही है। माही की गूंज पिछले लंबे समय से डीजल के इस गौरख धंधे पर नजर बनाए हुए है। माही की गूंज ने अवैध डीजल के इस गौरखधंधे से जुड़े तमाम पहलूओं पर विस्तार से अपने पाठकों को बताया है। माही की गूंज में बायोडीजल के नाम पर बिक रहे इस अवैध डीजल के समाचारों का प्रकाशन होता आया है। और इन्ही समाचारों से बोखलाकर डीजल माफियाओं ने ''चोर-चोर मौसेरे भाई''! कहावत को चरितार्थ करते हुए अपना भी एक सिंडिकेट बना लिया। जैसा कि हम पहले ही बता चुके है कि गुजरात-मध्यप्रदेश की सीमा पर जिले के पिटोल क्षेत्र में इन बायोडीजल के नाम पर माफियाओं ने पैर पसार लिए थे। प्रशासनिक संरक्षण कहें या गठजोड़, माफियाओं का यह अवैध डीजल का धंधा पिटोल से गुजरने वाले नेशनल हाइवे के आसपास खूब फलफूल भी रहा था। लेकिन अवैध तो अवैध होता है, माही की गूंज के लगातार खुलासे करने के बाद इन माफियाओं को प्रशासनिक संरक्षण भी काम नहीं आया। सरकारी दल्लों के मुंह में चांदी के चम्मच देने और मांग भरने के बाद भी माफियाओं को पिटोल से रंडापा काटने को मजबूर होना पड़ा। प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं मगर अंदर खाने ही सही, पिटोल से अवैध डीजल माफियाओं को अपनी दुकानें बंद करनी ही पड़ी। अपनी अवैध दुकानदारी पर बट्टा लगते देख माफियाओं ने मांग भरी दुल्हन को छोड़ आपस में ही गठजोड़ कर लिया और इस तरह वजूद में आ गया अवैध डीजल माफियाओं का सिंडीकेट। अब यह माफिया अपना अवैध डीजल का धंधा अलग-अलग न करते हुए एक साथ कर रहे है। मतलब सारे डीजल माफिया रूपी भड़वों ने एक ही चकले पर आकर अपने ग्राहाकों को एक निहित स्थान से डीजल माफियाई राज चलाने का निर्णय वर्तमान में लिया है। यह देखने की बात रहेगी की यह माफियाई सिंडिकेट कब तक चलता है या आगे और कोई नया रूप लेता है।

पिटोल में अवैध डीजल माफियाओं के ठिकानों पर पसरा पड़ा सन्नाटा

यूं तो पिटोल में अलग-अलग माफ्याओं के तीन ठीकाने थे। जिसमें पिटोल बेरियर से महज 8 सौ मीटर की दूरी पर मामा-भानेज इलाहबाद होटल जिसके पीछे माफ्या अपना अवैध डीजल का कारोबार चलाते थे। मगर पिछले 15 दिनों से यहां लगातार सन्नाटा छाया हुआ है। उसके बाद महज कुछ मीटर की ही दूरी पर श्रीराम न्यू बजरंग चौधरी होटल के पीछे दाहोद का युसूफ सीधे टेंकरों में ही दो-दो मशीन लगाकर वाहनों में डीजल भरता था। युसूफका तो सीधे तौर पर यह दावा था कि, अधिकारियों की भेंट पूजा करते है फिर धंधा करते है। जिला मुख्यालय के एक अधिकारी को पांच लाख एक मुस्त देने व जिला अधिकारियों को डेढ़ लाख की बंदी देने की बात भी युसूफसीना ठोककर कहता फिरता था। मगर अब युसूफ के इस ठीकाने पर भी पिछले 15 दिनों से कव्वे उड़ रहे है। अब भी युसूफके टेंकर इसी ठीकाने पर पड़े हुए और युसूफइस ताक में है कि, कब माहौल ठंडा हो और कब धंधा शुरू करे।

पिटोल में डीजल माफ्याओं का तीसरा और अंतिम ठीकाना होटल सागर और होटल गुरूकृपा के बीच बना हुआ था। दोनों ही होटल मालिक अज्जू और विजू खूनी रिश्ते में भाई है और माफ्याओं के दबंग संरक्षक भी माने जाते थे। अज्जू और विजू की इतनी दादागिरी कि वे अपने अवैध धंधों पर नजर डालने वालों को अपने गुर्गो से पिटवा तक देते। जिला प्रशासन के आला अधिकारियों से सीधे संबंधों ने इन्हे माफ्याओं का संरक्षक बना दिया था। प्रशासनिक अमला मानों इनके हाथों की कठपुतली हो चला था। मगर हालात बदले और माही की गूंज ने बैबाकी के साथ सच लिख इनकी धज्जियां बिखेर कर रख दी। अब माफ्याओं को पिटोल में इनका संरक्षण नहीं मिल पा रहा है। गठजोड़ वाले सरकारी दल्लों ने अपने सिर पर तलवार टंगी देख इन्हे कुछ समय के लिए समझाईश देकर अंडर ग्राउंड करवा दिया। अब इनके ठीकाने पर भी सन्नाटा पसरा पड़ा है।

डीजल माफिया रामपाल का अवैध धंधा अब भी है चालू

इसके बाद नंबर आता है छापरी में बकायदा डीजल पंप लगाकर अवैध डीजल का धंधा कर रहे रामपालसिंह चौहान का। यहां की कहानी कुछ अलग ही है। जिले में फैले तमाम अवैध डीजल के ठीकानें बंद है मगर रामपाल का यह अवैध डीजल पंप अब भी पूरी क्षमता के साथ चालू है। क्योंकि रामपाल को एक के साथ एक फ्री वाला संरक्षण प्राप्त है। यानि राजनीतिक अ ै र

प्रशासनिक दोनों ही तरह का संरक्षण रामपाल को आज भी मिल रहा है। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि रामपाल भाजपा में प्रदेश स्तरीय पद पर काबिज है और प्रदेश स्तरीय राजनीतिक सुरमा भोपालियों का इसे संरक्षण प्राप्त है। चूंकि प्रदेश में सत्ता भाजपा की है तो प्रशासन का नतमस्तक होना तो बनता ही है। इसीलिए रामपाल अपनी पूरी राजनीतिक व लेन-देन की क्षमता के साथ अपने अवैध ठीकाने से अवैध डीजल का विक्रय लगातार कर रहा है। पिटोल के सारे ठीकाने बंद होने से रामपाल की तो मानों चांदी हो गई हो।

इधर पिटोल में अपना अवैध डीजल का धंधा ठप्प होने के बाद तीनों डीजल माफियाओं ने रामपाल उर्फ सोनू का प्रदेश स्तरीय पद और संरक्षण देखकर रामपाल की पनाह लेने में समझदारी समझी। अब चारों अवैध डीजल माफियाओं ने आपस में गठजोड़ करते हुए माछलिया घाट के ऊपर जिले की ग्राम पंचायत आंबा के ग्राम खजूरखो को अपना ठीकाना बनाया और इस एक ही ठीकानें पर अपना सारा कारोबार एक कर लिया। अब यह अवैध डीजल माफिया एक ही ठिकानें से चांदी काट रहे है। सारे माफियाओं का एक ठीकाना होने से यहां पर हजारों वाहन दिन भर में डीजल भरवाने के लिए रूक रहे है। इधर डीजल माफिया रामपाल का छापरी स्थित अवैध डीजल पंप उसके लिए बोनस साबित हो रहा है। सिंडिकेट में चल रहे धंधे का हिस्सा और खुद के अवैध डीजल पंप से हो रही अवैध कमाई से रामपाल दिन ब दिन गब्बर होता जा रहा है।

माफियाओं की चर्चा में सरकारी दल्लों का बोलबाला

कहने को पिटोल व अन्य जगहों पर अवैध डीजल का धंधा बंद हो चुका है, लेकिन इसके पीछे वह कौन सी अदृश्य शक्ति है, जिसने बिना किसी कार्रवाई के ही इस अवैध धंधे को बंद करवा दिया। जबकि पिटोल क्षेत्र से मिल रही जानकारी के अनुसार यहां माफियाओं पर किसी तरह की कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं हुई। जब किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं हुई तो फिर डीजल माफियाओं ने अपना यह गौरख धंधा बंद कैसे और क्यों कर दिया...? इसका जवाब पान के गल्लों और चाय की टपरियों पर खुद माफिया अपनी जबानी देते नजर आते है। माफिया युसूफ बताता है कि, साहब लोगों का कहना है कि अभी माहौल गरम है, इसलिए थोड़े दिनों के लिए धंधा समेट लो, माहौल ठंडा होते ही फिर से धीरे-धीरे शुरूआत कर लेना। बात यहीं खत्म नहीं होती माफिया आगे बताते है कि, धंधे में फैलावा ज्यादा हो गया था, एक ही क्षेत्र में ज्यादा ठीये हो गए थे। तो साहब ने फैलावे को कम करने की सलाह देते हुए कहा कि, सारे ठीकाने बंद कर के सभी एक ठीकाना कर लो, बस इसी लिए हम सब ने मिलकर पिटोल के सारे ठीकाने बंद करते हुए माछलिया घांट के ऊपर खजूरखो में एक साथ काम शुरू कर दिया। साथ में धंधा करते है और साथ मिलकर साहब लोगों को सेटिंग का पैसा देते है। माहौल ठंडा होगा तब फिर से पिटोल में अपना -अपना कारोबार करेंगे।

पिटोल में डीजल माफियाओं का सूपड़ा साफ होने के बाद होटल सागर पर विजू अब शराब परोसने पर करेगा कॉन्संट्रेट।

पिटोल में अब अज्जू-विजू करेंगे दारू के धंधे पर कॉन्संट्रेट

पिटोल में अवैध डीजल का धंधा बंद होने के बाद अज्जू-विजू का डीजल माफियाओं को संरक्षण देने का धंधा भी बंद हो गया है। मगर इनके ठिकानें होटल सागर पर अब भी हर रोज मदमस्त शाम की रंगीनियां छाई रहती है। बताते है कि, होटल सागर पर शराब के शोकिनों को इनती सुरक्षा और सुविधा मिलती की वे होटल सागर की ओर खिंचे चले आते। विजू की व्यवस्था इतनी चुस्त-दुरूस्त कि बेहतरीन केटरीन व्यवस्था के साथ मनचाहे ब्रांड की शराब मात्र कुछ मिनटों में ग्राहक की टेबल पर पहुंच जाती। शराब के शोकिनों की खाने -पीने की माकूल व्यवस्था के लिए माफिया विजू ने होटल सागर के पास ही एक खूबसूरत अहाता तैयार कर रखा है। हालांकि माफिया विजू का यह धंधा भी अवैध ही है। बिना किसी लायसेंस के माफिया विजू नेशनल हाईवे पर होटल की आड़ में अवैध शराब का बैखोफ अवैध धंधा करते हुए चांदी काट रहा है। इस बात में भी संशय है कि लंबे समय से चल रहे माफिया विजू के इस धंधे में प्रशासनिक सेटिंग नहीं होगी। क्योंकि अज्जू-विजू के प्रशासनिक आला अधिकारियों से संबंध जग जाहीर है। अब चूंकि पिटोल से अवैध डीजल माफिया का उठावना हो चुका है तो माफिया अज्जू-विजू अब अपने पुराने दारू के धंधे पर ही कॉन्संट्रेट करेंगे।

अब डीजल माफिया रामपाल भोपाल के जनजाति महाकुंभ में जमाएगा झांकी

पिछले अंकों में माही की गूंज रामपाल के राजनीतिक रसूख के बारे में बता चुका है। डीजल माफिया रामपालसिंह चौहान भाजपा के अजजा मोर्चे में प्रदेश सह प्रभारी निति एवं शोध के पद पर काबिज है। यानि डीजल माफिया सीधे तौर पर भाजपा में प्रदेश स्तरीय पद पर है। प्रदेश स्तरीय पद पर होना यानि सीधे तौर पर भोपाली संरक्षण...? हालांकि जिले में रामपाल उर्फ सोनू अजजा मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व थांदला विधायक कलसिंह भाबर का गुर्गा है। अजजा मोर्चे का प्रदेशाध्यक्ष होने के नाते कलसिंह का रामपाल जैसे माफियाओं को संरक्षण जिले के लिए दुर्भाग्य पूर्ण है। पिछले माह 5 अक्टूबर को झाबुआ में हुए जनजाति सम्मेलन में डीजल माफिया रामपाल की वजह से कलसिंह भाबर को प्रदेशाध्यक्ष होने के बावजूद संबोधन से दूर रखा गया। मगर फिर भी रामपाल जैसे अवैध धंधेबाज ने मंच पर चढ़कर मुख्यमंत्री का स्वागत सम्मान कर अपनी झांकी जमाई। जबकि जिले में अच्छा रसूख रखने वाले कई नेताओं को दर्शक दीर्घा में ही बैठना नसीब हुआ यह सर्व साधारण है।

वैसे तो माफिया रामपाल भाजपा में प्रदेश स्तर पर पदाधिकारी होने के बावजूद भाजपा की या मोर्चे की किसी भी जिला स्तरीय बैठक या किसी आयोजन में शामिल नहीं होता। मगर जहां झांकी जमाने की बात होती वहां माफिया रामपाल की इंट्री पक्की है। मतलब के कार्यक्रमों में हिस्सा लेने वाला रामपाल मौका आते ही अपने बड़े-बड़े फ्लेक्स छपवाकर लगवाता और झांकी जमाता। पिछले माह झाबुआ में हुए जनजाती सम्मेलन में हुआ फ्लेक्स विवाद माफिया रामपाल की वजह से काफी चर्चाओं में रहा और पार्टी के ही दो गुटों में इस विवाद को लेकर प्रतिद्वंदिता देखी गई।

अब आगामी 15 नवंबर को बिरसा मुंडा जयंती पर भोपाल में जनजाति महासम्मेलन होने जा रहा है। बिरसा मुंडा जयंती को पूरे प्रदेश में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसी दिन भोपाल में जनजाति समाज का महाकुंभ होगा। जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। क्योंकि कार्यक्रम जनजाति मोर्चे का है तो यह तय है कि, मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष कलसिंह भाबर और उनका गुर्गा डीजल माफिया रामपाल भी इस आयोजन में शिरकत करेंगे। चूंकि माफिया रामपाल भी अजजा मोर्चे के प्रदेश स्तरीय पद पर काबिज है तो यह संभव है कि, वह भोपाल में हो रहे इस आयोजन के मंच पर पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत सम्मान कर अपनी झांकी जमाएगा और भाजपा की किरकिरी भी करेगा।

छापरी स्थित डीजल माफिया रामपालसिंह चौहान का अवैध डीजल पंप अब भी धड़ल्ले से पूरे क्षमता के साथ चालू है।

माफियाओं के सिंडीकेट ने खजूरखो में कुछ इस तरह जमा रखा है तामझाम।

डीजल माफियाओं के खजूरखो स्थित ठीकाने पर डीजल भरवाने प्रति दिन रूकते है हजारों वाहन।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422